फाल्गुन माह, कृष्ण पक्ष 21 वर्ष, अंक 40 पृष्ठ 8 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 04 मार्च 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

'तुम्हारी लाशों से नहीं ढकना चाहते अपनी जमीन'

यूक्रेन राष्ट्रपति ने रूस सैनिकों से कहा, यूक्रेन की बर्बादी पर लोगों के आंसू नहीं रुक रहे,, यूक्रेन के खारकीव में रूस ने बरसाए बम, दो बच्चों सहित आठ की मौत, दस लाख लोगों ने छोड़ा यूक्रेन

रूस ने अंतरिक्ष रॉकेट से हटाए यूक्रेन के दोस्तों के झंडे, भारतीय तिरंगा बरकरार

कीवः यूक्रेन पर रूस के हमले के आठवें दिन तबाही का मंजर खौफनाक होता जा रहा है। यूक्रेन का चेर्निव तेल डिपो रूसी मिसाइलों ने उड़ा दिया है। एक शहर इरपिन पर हवाई हमले कर उसे तबाह कर दिया है। रूस ने अपने अंतरिक्ष रॉकेट से अमेरिका, ब्रिटेन और जापान के झंडे हटा दिए हैं। खास बात यह है कि इस रॉकेट पर लगा भारतीय तिरंगा बरकरार रखा गया है। यूक्रेन पर हमले के दौरान अब रूस रिहायशी व प्रशासनिक इलाकों के साथ आर्थिक महत्व के प्रतिष्ठानों को भी निशाना बना रहा है। यूक्रेन के चेर्निव तेल डिपो पर रूसी मिसाइलों ने जोरदार हमला किया। इससे वहां लगी भीषण आग के कारण काला धुआं उठता देखा गया। इसी तरह यूक्रेन के एक अन्य शहर इरपिन की तबाही की जानकारी भी सामने आ रही है। रूसी मिसाइलों ने पूरे इरपिन में ताबड़तोड़ हमलों से शहर को हिला कर रख दिया।

चारों तरफ हताशा, बेबसी...पसरा तबाही का मंजर

कीवः यूक्रेन में हालात बदतर हो गए हैं। रूस के हमले गुरुवार को आठवें दिन भी जारी रहा। 10 से ज्यादा शहर बर्बाद हो चुके हैं। कई इलाके खंडहर और वीरान जैसे लगने लगे हैं। सड़कें बमबारी की दहशत से सूनी हो गई हैं। यूएन के आंकड़ों के मुताबिक,10 लाख से ज्यादा लोग देश छोड़ चुके हैं। जो बचे हैं वे हताश और निराश हैं। पूछ रहे हैं हमारा आगे क्या होगा? रोजगार, परिवार, संपत्ति जैसे सब कुछ बिखर गया है। यूक्रेन पर रूस के हमले में अब दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर पूरा जोर लगाया जा रहा है। रूस ने बड़ी संख्या में खारकीव पर बम बरसाए हैं। इस हमले में दो बच्चों सहित आठ लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। यह संख्या अधिक भी होने की आशंका है। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर कब्जे के लिए रूस की सेना पिछले तीन दिनों से संघर्षरत है। अब एक साथ सैकड़ों बम खारकीव पर बरसाए गए हैं। खारकीव के इजीयम इलाके में रात भर रूस की ओर से की गई गोलाबारी में दो बच्चों समेत आठ लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आयी है। कल ही भारतीय विदेश मंत्रालय ने ऐसी आशंका को भांप कर भारतीयों को तुरंत खारकीव छोड़ने के निर्देश दिए थे। अब यूक्रेन से भारतीयों की वापसी तेज हो गयी है। गुरुवार को 18 उड़ानों से 3726 भारतीय वापस लौटेंगे। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ऑपरेशन गंगा के तहत बुखारेस्ट से आठ उड़ानें, सुसेवा से दो, कोसिसे से एक, बुडापेस्ट से पांच और रेजजो से तीन उड़ानें संचालित की जाएंगी।

यूक्रेन में बंकरों में गूंज रहीं किलकारियां

जंग तो चंद रोज होती है, लेकिन जिंदगी बरसों तलक रोती है। यूक्रेन और रूस के बीच जंग की तस्वीरें वो हकीकत बयां कर रही हैं जो कभी भुलाई या बदली नहीं जा सकतीं। रूसी सेना की तोपें लगातार बम बरसा रही हैं। हर तरफ तबाही का मंजर है। इस बीच खौफ के साये में यूक्रेन के अस्पतालों की बेसमेंट में किलकारियां गूंज रही हैं। दरअसल, यूक्रेन के मारियुपोल शहर में मैटरनिटी हॉस्पिटल की बेसमेंट को बॉम्ब शेल्टर और अस्थायी मैटरनिटी वार्ड में तब्दील कर दिया गया है। ऐसा ही एक नजारा खार्किव में भी देखने को मिला, जहां एक प्रसूति वार्ड को बॉम्ब शेल्टर बनाया गया। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय के मुताबिक यूक्रेन में जंग शुरू होने के बाद से अब तक 100 से ज्यादा बच्चे जन्म ले चुके हैं। यहां 10 तस्वीरों में देखिए कि कैसे धमाकों के बीच बच्चे बेसमेंट में जन्म ले रहे हैं।

लाखों शरणार्थी, हजारों हताहत हुए

कीव/नई दिल्लीः संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि रूस के हमले के सातवें दिन तक दस लाख शरणार्थी यूक्रेन से पोलैंड और हंगरी जैसे पड़ोसी देशों में चले गए हैं। वहीं यूरोपीय संघ का अनुमान है कि रूसी हमले के कारण 40 लाख लोग देश छोड़ने की कोशिश कर सकते हैं। शरणार्थी मुख्य तौर पर पोलैंड और हंगरी के अलावा रोमानिया, स्लोवाकिया और मोल्दोवा ही नहीं बल्कि रूस और बेलारूस भी पहुंच रहे हैं। ब्रिटेन के प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन का कहना है कि हम 200,000 यूक्रेनी शरणार्थियों को ले सकते हैं। शरणार्थियों को कहा गया है कि उन्हें पड़ोसी देशों में जाने के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता नहीं है। उनके साथ यात्रा करने वाले बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र और चिकित्सा दस्तावेज होने चाहिए।

यूक्रेन को जल्द ईयू की सदस्यता मिलने की संभावना नहीं

ब्रसेल्सः यूरोपियन यूनियन (ईयू) में यूक्रेन के प्रति गहरी सहानुभूति है, लेकिन उसे निकट भविष्य में ईयू की सदस्यता मिलने की संभावना नहीं है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक जज्बाती वीडियो संदेश जारी किया था। उसमें उन्होंने ईयू से अपील की थी कि यूक्रेन को सदस्यता देने की प्रक्रिया वह तेज करे। जेलेंस्की ने ईयू को संबोधित करते हुए कहा- यह तटस्थ रहने का समय नहीं है। इसके पहले मंगलवार को यूरोपियन संसद को दिए अपने संदेश में जेलेंस्की ने कहा था- आप यह साबित करें कि आप हमारे साथ हैं। उनके इस बयान पर यूरोपीय संसद के सदस्यों ने खड़े होकर देर तक तालियां बजाईं। इसे यूक्रेन के प्रति यूरोपीय संसद की सहानुभूति और समर्थन के रूप में देखा गया। यूरोपीय संसद ने एक प्रस्ताव पारित कहा कि यूक्रेन को ईयू की सदस्यता दी जानी चाहिए। विश्लेषकों का कहना है कि ईयू की सदस्यता मिलने से मौजूदा संकट के समाधान की राह निकल सकती है।

सत्ता भोग 'घोर परिवारवादियों' का लक्ष्यः मोदी

जौनपुरः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत का भरोसा व्यक्त करते हुये कहा कि भाजपा उप्र में शासन करने के लिए नहीं बल्कि बिना किसी भेदभाव के लोगों की सेवा करने आई है। भाजपा चाहती है कि लाभार्थियों को बिना बिचौलियों के योजनाओं का लाभ मिले। भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के जौनपुर में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पांच चरणों के मतदान ने सूबे में भाजपा गठबंधन की सरकार बनाना तय कर दिया है। आज छठे चरण में भी

भाजपा के पक्ष में जमकर मतदान हो रहा है। समाजवादी पार्टी पर परिवारवादी को लेकर हमला करते हुये कहा कि घोर परिवारवादियों ने पूर्वांचल के लोगों को अपने हाल पर जीने पर छोड़ दिया था। घोर परिवारवादियों ने पूरी कोशिश की थी कि प्रदेश जात-पात में बंट जाए लेकिन यहां की जनता ने घोर परिवारवादियों की चालाकी को समझ लिया आज उप्र एकजुट और एकमत खड़ा हो गया है। केंद्र की योजनाओं से पूर्वांचल को वंचित रखने को लेकर पूर्ववर्ती अखिलेश सरकार पर निशाना साधते हुये प्रधानमंत्री ने कहा कि योगी सरकार ने जौनपुर में 30 हजार घरों को मंजूरी दी, जबकि घोर परिवारवादियों ने केवल मात्र एक घर को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि उन्हें गरीब के जीवन की परवाह नहीं थी वह तो केवल अपनी तिजोरी भरने में लगे थे। प्रधानमंत्री ने कहा, जहां घोर परिवारवादियों ने जौनपुर के गरीबों के लिए सिर्फ 1 आवास स्वीकृत किया था, उसी जौनपुर शहर के लिए भाजपा सरकार ने गरीबों के लिए 30,000 आवास स्वीकृत किए।

जैसलमेर बॉर्डर पर बरसेंगे 500-1000 किलो के बम

नई दिल्लीः रूस-यूक्रेन जंग के बीच भारतीय वायु सेना 07 मार्च को जैसलमेर के पोकरण रेंज में 'वायु शक्ति अभ्यास' के दौरान अपनी ताकत का प्रदर्शन करेगी। हर तीन साल में होने वाले इस अभ्यास में कुल 148 एयरक्राफ्ट शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चुने गए लक्ष्यों को फाइटर जेट 500 से लेकर 1000 किलो तक के बम गिराकर टारगेट करेंगे। फाइटर जेट राफेल सुपरसोनिक स्पीड में उड़ान भरते दिखाई देगा और एयर टू एयर मिसाइल से फायरिंग करेगा। वायु सेना के वाइस चीफ एयर मार्शल संदीप सिंह ने कहा कि वायु शक्ति एक्सरसाइज सिर्फ एयरफोर्स की ताकत का ही प्रदर्शन नहीं करता है बल्कि यह हमारे लिए ऑपरेशनल ट्रेनिंग की भी डोज है। इस अभ्यास के दौरान वास्तविक जैसे हालात तैयार कर-के ऑपरेशन को अंजाम दिया जाता है। वायु शक्ति अभ्यास में लड़ाकू विमान जगुआर, सुखोई-30, मिग-29, तेजस समेत कुल 148 एयरक्राफ्ट शामिल होंगे। इसमें 18 नाल एयरबेस से, 29 एयरक्राफ्ट फलोदी एयरबेस, 46 जोधपुर, 30 जैसलमेर, 21 उतरलाई, 2 आगरा और 2 हिंडन एयरबेस से उड़ान भरेंगे।

यूक्रेन से लौटे छात्रों से मिले पीएम मोदी

सभी की सुरक्षित वापसी प्राथमिकता: मोदी

वाराणसीः वाराणसी, भदोही, जौनपुर, मिर्जापुर, प्रयागराज, प्रतापगढ़, गाजीपुर, आजमढ़ सहित अन्य जिलों के छात्र एवं छात्राएं एयरपोर्ट पर पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री से पहली बार मिलने को लेकर छात्र काफी प्रसन्न दिखाई दिए। एयरपोर्ट प्रशासन द्वारा सभी छात्रों का पास पहले से ही बनाकर तैयार था।

प्रधानमंत्री जैसे ही लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे छात्र और छात्रों का दल प्रधानमंत्री से मिला। इस दौरान प्रधानमंत्री ने सभी छात्रों से हालचाल पूछा।

सभी छात्रों ने अपनी समस्याएं प्रधानमंत्री से बताईं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने छात्रों को आश्वस्त करते हुए कहा को जो भी समस्या है आप सभी के हित को ध्यान में रखते हुए उसका निस्तारण किया जाएगा। साथ ही यूक्रेन में फंसे हुए सभी छात्रों को जल्द से जल्द सकुशल भारत लाया जाएगा। इसपर छात्रों ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री के नही मिलने से मायूस लौटे छात्रः यूक्रेन से वापस पहुंचे कुछ छात्र प्रधानमंत्री से एयरपोर्ट पर नही मिलने से मायूस हो गए। छात्रों ने कहा कि जब नही मिलना था तो क्यों बुलाया गया। हमलोग इतनी दूर से चलकर प्रधानमंत्री जी से मिलने के लिए एयरपोर्ट पर पहुंचे थे लेकिन मुलाकात न होने का मलाल है।

यूपी छठा चरणः 57 सीटों पर 5 बजे तक 53.31 प्रतिशत पड़े वोट

लखनऊः उत्तर प्रदेश में 18वीं विधानसभा के गठन के लिए छठे चरण का मतदान समाप्त हो गया है। इसी के साथ दस जिलों के 57 विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में बंद हो गई है। छठे चरण में सीएम योगी आदित्यनाथ समेत उनके सात मंत्रियों, नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी तथा बसपा विधायक दल के नेता उमाशंकर सिंह व कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू की प्रतिष्ठा दांव पर है। वर्ष 2017 में 57 सीट में 46 सीटों पर भाजपा का कब्जा था। शाम पांच बजे तक इन सीटों पर 53.31 प्रतिशत मतदान हो गया था। अभी चुनाव आयोग से अंतिम आंकड़े आने हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव के छठे चरण के दस जिलों में कुल 56.52 प्रतिशत मतदान हुआ था। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में छठें चरण के मतदान में दस जिलों के 57 विधानसभा क्षेत्र में पांच बजे तक 53.31 प्रतिशत मतदान हो गया था। अम्बेडकनगर जिले ने शुरूआती बढ़त को पांच बजे तक बरकरार रखा। तीन से पांच बजे के बीच में अम्बेडकरनगर के साथ बलिया, बस्ती, देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर, महराजगंज, तथा संतकबीरनगर में 50 प्रतिशत से अधिक मतदान हो गया था। अम्बेडकरनगर में 58.66, बलिया में 51.81, बलरामपुर में 48.53, बस्ती में 54.24, देवरिया में 51.50, गोरखपुर में 53.89, कुशीनगर में 55.00, महराजगंज में 57.38, संतकबीर नगर में 51.21 और सिद्धार्थनगर में 49.77 प्रतिशत मतदान हो गया था।

'29 जिलों में कोरोना संक्रमण की दर 10 प्रतिशत से अधिक'

नई दिल्लीः देश में कोरोना के मामलों में कमी आई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में वर्तमान में 29 जिलों में ही कोरोना संक्रमण की दर 10 प्रतिशत से अधिक दर्ज की जा रही है। इसके साथ ही 34 जिलों में 5-10 प्रतिशत के बीच संक्रमण दर है। गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि दुनिया के कई देशों में कोरोना के मामलों में तेजी से उछाल आया है। आज भी दुनिया में रोजाना करीब 15,00,000 मामले सामने आ रहे हैं। भारत में

कोरोना के मामलों में काफी कमी देखी गई है। भारत में साप्ताहिक आधार पर औसतन लगभग 11,000 कोविड मामले दर्ज किए जाते हैं। वैश्विक मामलों में से केवल 0.7 प्रतिशत भारत में रिपोर्ट किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि अन्य देशों की तुलना में भारत में मौतों की संख्या में सकारात्मक स्थिति है। 2-8 फरवरी के बीच भारत में औसतन 615 मौतें हुई हैं। पिछले सप्ताह में कोरोना के कारण 144 मौतें हुईं यानी 76.6 प्रतिशत की कमी देखी गई है। उन्होंने बताया कि केवल एक राज्य में 10,000 से अधिक सक्रिय मामले हैं और 2 राज्यों में 5,000 से 10,000 के बीच सक्रिय मामले हैं।

शेष राज्यों में 5,000 से कम सक्रिय मामले हैं। केरल, महाराष्ट्र, मिजोरम में देश के 50 प्रतिशत सक्रिय मामले हैं। देश में सक्रिय मामलों की संख्या लगभग 77,000 है।

'भारत को मैन्युफैक्चरिंग पावरहाउस के रूप में देख रहा है विश्व'

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि आज दुनिया भारत को एक विनिर्माण शक्ति के रूप में देख रही है। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति भारतीयों की रूचि पर प्रकाश डालते हुये कहा कि इसमें देश नेतृत्व कर सकता है। साथ ही उन्होंने चिकित्सा उपकरणों में मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने की जरुरत पर बल देते हुये कहा कि हमें चिकित्सा उपकरणों के आयात को कम करने पर ध्यान देना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा आयोजित बजट के बाद वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। यह बजट के बाद का आठवां वेबिनार था जिसे प्रधानमंत्री ने संबोधित किया। वेबिनार की थीम 'मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड' थी। प्रधानमंत्री

ने कहा कि बजट में आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान हैं। उन्होंने कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है कि भारत जैसा देश केवल एक बाजार बनकर रह जाए। उन्होंने मेक इन इंडिया के महत्वपूर्ण महत्व को रेखांकित करने के लिए महामारी और अन्य अनिश्चितताओं के दौरान आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की ओर इशारा किया। उन्होंने जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट मैन्युफैक्चरिंग के अपने आह्वान का भी जिक्र किया जो उन्होंने लाल किले की प्राचीर से किया था। उन्होंने कहा कि अगर हम राष्ट्रीय सुरक्षा के चश्मे से देखें तो आत्मनिर्भर भारत और भी महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया भारत को एक विनिर्माण महाशक्ति के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा कि विनिर्माण, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 15 प्रतिशत है, लेकिन मेक इन इंडिया से पहले अनंत संभावनाएं हैं और हमें भारत में एक मजबूत विनिर्माण आधार बनाने के लिए पूरी ताकत से काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने सेमी-कंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन जैसे क्षेत्रों में नई मांग और अवसरों का उदाहरण देते हुये कहा कि इसमें निमार्ताओं को विदेशी स्रोतों पर निर्भरता को दूर करने की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। इसी तरह, स्टील और चिकित्सा उपकरणों जैसे क्षेत्रों को स्वदेशी विनिर्माण के लिए ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि 'वोकल फॉर लोकल' का दायरा दीपावली पर 'दीया' खरीदने से कहीं आगे जाता है। उद्योग जगत को अपने उत्पाद के विज्ञापन में 'वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया' की बात करनी चाहिए। उन्होंने निजी क्षेत्र से अपने मार्केटिंग और ब्रांडिंग प्रयासों में स्थानीय और आत्मनिर्भर भारत के लिए आगे बढ़ाने को कहा। आप अपनी कंपनी के उत्पादों पर गर्व करें और अपने भारतीय ग्राहकों में भी गर्व की भावना पैदा करें।

'पुतिन को युद्ध रोकने का आदेश नहीं दे सकते'

नई दिल्लीः एक वकील ने यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों का मसला सुप्रीम कोर्ट में रखा है। इस पर चीफ जस्टिस एनवी रमना ने कहा कि हमें छात्रों से हमदर्दी है, पर कोर्ट इसमें कुछ नहीं कर सकता है। हम पुतिन को युद्ध रोकने का आदेश नहीं दे सकते। सरकार जरूरी कदम उठा रही है। हम अटार्नी जनरल से पूछेंगे कि और क्या किया जा सकता है। गुरुवार को एक याचिका को वरिष्ठ वकील एमके धर ने चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए इस पर जल्द सुनवाई की मांग की। उन्होंने चीफ जस्टिस से कहा कि रोमानिया की

सीमा पर कई छात्र फंसे हुए हैं। तब कोर्ट ने कहा कि हम इसमें क्या कर सकते हैं। इसमें सरकार कदम उठा रही है। हमें छात्रों से हमदर्दी है। हम अटार्नी जनरल से इसमें मदद के लिए कहेंगे। दोपहर बाद जब अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल एक दूसरे मामले में कोर्ट में पेश हुए तो चीफ जस्टिस ने उनसे छात्रों की मदद करने को कहा। चीफ जस्टिस ने अटार्नी जनरल से कहा कि हजारों छात्र फंसे हुए हैं, आप इसमें मदद कीजिए। तब अटार्नी जनरल ने पूछा कि क्या जिस छात्र के लिए याचिका दायर की गई है उसने यूक्रेन की सीमा पार कर ली है तब वकील एमके धर ने कहा कि नहीं। तब अटार्नी जनरल ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक मंत्री को रोमानिया भेजा है ताकि छात्रों को वापस लाया जा सके। उसके बाद चीफ जस्टिस ने याचिकाकर्ता के वकील को याचिका की प्रति अटार्नी जनरल को सौंपने का निर्देश दिया।

खबर संक्षेप

युवक की मौत पर घर में मचा कोहराम

शंकरगढ़। गुरुवार की सुबह शंकरगढ़ सदर बाजार निवासी एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों को जानकारी होते ही घर में कोहराम मच गया नगर पंचायत शंकरगढ़ के सदर बाजार निवासी जीवन लाल केसरवानी का पुत्र दीपक केसरवानी उर्फ (कल्लू) उम्र 35 वर्ष की तबियत कुछ दिनों से खराब चल रही थी।गुरुवार की सुबह उसने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। परिजनों को जानकारी होते ही डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन उसकी जान जा चुकी थी। युवक की मौत पर परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है।

घर में घुस कर मार पीट तोड फोड मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। रास्ते के विवाद को लेकर घर में घुस कर मारा पीटा गया तथा तोड फोड की गई। पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बसरही निवासी राजेश कुमार पटेल पुत्र स्वर्गीय राम दुलार का आरोप है कि रास्ते के विवाद को लेकर उसके विपक्षी एक राय होकर उसके घर में घुस कर उसे और उसकी पत्नी माधुरी और पुत्री रुचि को मार पीट कर बुरी तरह जख्मी कर दिया गया तथा घर के अन्दर जमकर तोड फोड की गई । जान से मारने की धमकी दे कर भाग गए। घायल राजेश पटेल ने मऊआइमा थाने में जीतलाल ,संगम लाल ,लल्लू ,भईया राम ,पवन कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

तीन बच्चों की मां रहस्य ढंग से दो बच्चों के संग गायब रिपोर्ट दर्ज

मऊआइमा। तीन बच्चों की माता घर से मयके के लिए दो बच्चों के संग गयी परन्तु न वह मयके पहुंची न ससुराल ही पहुंची। विवाहिता के पिता ने मऊआइमा थाने में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम मानीउमरपुर निवासनीय एक युवती की शादी ग्राम उधवपुर खगिया में हुई है। बताया गया है कि वह तीन बच्चों की मां है ।बताया गया है कि 26 फरवरी को दो बच्चों को लेकर विवाहिता मयके के लिए निकलीवह रास्ते से रहस्यमय ढंग से गायब हो गई। न वह मयके पहुंची न ही आज तक ससुराल पहुंची। विवाहिता के पिता ने मऊआइमा थाने में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज करा दी है ।

अशोक हत्याकांड में चार आरोपियों को पुलिस ने उठाया , पूछताछ जारी

अखंड भारत संदेश

मृतक अशोक के बेटे सनी ने पांच के खिलाफ लिखाया मुकदमा
आरोपी शंकर लाल पटेल पुलिस के पकड़ से अभी भी दूर

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के मैराडाढ़ गांव निवासी अशोक कुमार भारतीया की बुधवार को दिन दहाड़े हत्या करने के मामले में उतरांव पुलिस ने मैराडाढ़ गांव निवासी कमलेश पटेल, अंकित, प्रहलाद, अजय कुमार व कुछ संदिग्ध लोगों को पकड़कर पूंछताछ कर रही है।इस मामले में मृतक अशोक कुमार के बेटे शनी ने पांच लोगों के खिलाफ स्थानीय थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। जिसमें से आरोपी शंकर लाल पटेल अभी भी पुलिस के पकड़ से बाहर है। घटना के मुख्य आरोपियों को उतरांव पुलिस अभी तक गिरफ्तार नही कर सकी है।बता दें कि मृतक अशोक कुमार अपने बेटे गुड्डू के साथ डीजल लेने के लिए बाइक से कटहरा पेट्रोल पंप पर ट्रैक्टर के लिए डीजल लेने के लिए गया हुआ था। जैसे ही वह उतरांव थाना क्षेत्र के रेहथू पुलिया के पास पहुंचा वैसे ही बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने अशोक कुमार भारतीया कि दिन दहाड़े पीठ पर गोली मारकर हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हत्या के बाद गांव में मौजूद पुलिस बल

अंतिम संस्कार न करने पर अड़े परिजन एसपी गंगापार के समझाने पर हुए राजी

मृतक अशोक कुमार भारतीया का शव बृहस्पतिवार को जब उतरांव थाना क्षेत्र के मैराडाढ़ स्थित सायं के समय जब घर पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। आस पड़ोस के गांवों व घरों सहित कई नात रिश्तेदार भारी संख्या में मौके पर जमा हो गए।उतरांव पुलिस ने शव का अंतिम संस्कार करने के लिए कहा तो परिजनों ने शव को उठाने से इनकार कर दिया। पचास लाख नगदी, दो राइफल का लाइसेंस देने की मांग पर वह घंटों अड़े रहे। बाद में एसपी गंगापार अभिषेक अग्रवाल के समझाने पर माने उनके द्वारा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी व सुरक्षा करने का आश्वासन दिया गया।उनके द्वारा यह भी आश्वासन दिया गया कि इसकी सूचना जिलाधिकारी प्रयागराज को दी जाएगी। फिलहाल पत्नी प्रभावती मां सुनीता देवी, सहित बेटों का रो रो कर बुरा हाल था।

न्यूज झरोखा

कथा पूर्व निकाली गई कलश यात्रा

सहसों। क्षेत्र के सिंगरामऊ गांव में राधेश्याम मिश्रा एवं राम अभिलाष शुक्ला के संयोजन में कथा का शुभारंभ शुक्रवार से किया गया है। श्रीमद् भागवत कथा के पुर्व गुरुवार को आधुनिक वाद्य यंत्र एवं हाथी घोड़े के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में आचार्य सुयश महाराज की अगुवाई में भक्त नर-नारियों ने सिर पर कलश लिए हुए पूरे गांव में मंगल गीत गाते हुए भ्रमण किया। तत्पश्चात कथा मंडप में पहुंचकर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर अरविंद मिश्रा, बृजेंद्र मिश्रा, संदीप दूबे, वीरू पांडे, कमल कुमार मिश्रा, जिम्मी मिश्रा, शशि दुबे सहित आदि भगवत प्रेमी उपस्थित रहे।

शिव पुराण का पाठ करने से पूर्ण हो जाती है मनोकामनाएं : आचार्य विनोद

जंघई। चनेथू शुक्लान गांव में केशव प्रसाद शुक्ल के यहां आयोजित सवा लाख महामृत्युंजय मंत्र एवं शिवमहापुराण कथा के समापन दिवस पर कथा व्यास विनोद आचार्य ने शिव महापुराण श्रवण करने का महत्व बताते हुए कहा कि शिव पुराण का पाठ करने से मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। निःसंतान लोगों को संतान की प्राप्ति हो जाती है। वैवाहिक जीवन से संबंधित समस्याएं आ रही हैं तो वह समस्याएं दूर हो जाती है। व्यक्ति के सभी प्रकार के कष्ट व पाप नष्ट हो जाते हैं। जीवन के अंत में उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।शिवपुराण कथा में भगवान भोले के विविध रूपों, अवतारों व ज्योतिलिंगी का महत्व बताया गया है। शिव को पंचदेवों में प्रधान अनादि सिद्ध परमेश्वर माना गया है। कथा के अंतिम दिन उन्होंने बारह ज्योतिलिंगी का महत्व बताते हुए कहा कि भगवान शिवजी जहां-जहां स्वयं प्रगट हुए उन्हीं 12 स्थानों पर स्थित शिवलिंगों को पवित्र ज्योतिलिंगों के रूप में पूजा जाता है। इन ज्योतिलिंगों के न सिर्फ दर्शन करने पर शिव भक्त को विशेष फल की प्राप्ति होती है। इनका महज प्रतिदिन नाम लेने मात्र से जीवन के सभी दुख दूर हो जाते हैं। इसी के साथ ही उन्होंने भगवान शिव को प्रिय रुद्राक्ष का महत्व बताया।इस अवसर पर रमाशंकर शुक्ल, कमलाशंकर शुक्ल, नारायण दास शुक्ल, कैलाश नाथ शुक्ल, हीरामणि शुक्ल, प्रेमनारायण शुक्ल, भानु मिश्रा, मनमोहन पांडेय, संदीप पांडेय, सुरेश शुक्ल, परमात्मा राम पांडेय, बाबुल नाथ शुक्ल, कृष्ण मोहन शुक्ल, राजेंद्र शुक्ल, विजय कुमार शुक्ल, महेश कुमार शुक्ल, बृजेश शुक्ल, पं दिनेश शुक्ल, शास्त्री जी, सुभाष शुक्ल, बलराम ओझा, राम शुक्ल, कृष्णराज शुक्ल, हरिश्चन्द्र शुक्ल, रिंकू शुक्ल, शारदा, विपिन, पिंकू, आशू, वेद, ध्रुव, शिवा, शिवांश सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता से हमारा शारीरिक मानसिक विकास होता है : डॉ राजीव मालवीय

जंघई। नागरिक पीजी कालेज जंघई में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह का शुभारंभ गुरुवार को सरस्वती प्रतिमा पर प्राचार्य डॉ राजीव मालवीय एवं निवर्तमान प्राचार्य डॉ प्रमोद तिवारी एवं विभागाध्यक्ष बीएड डॉ कविता गुप्ता, विभागाध्यक्ष प्राचीन इतिहास डॉ रमाकांत ने दीप प्रज्वलित करके एवं माल्यार्पण करके किया। खेल प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने बढ चढ़ कर हिस्सा लिया ।कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के क्रीड़ा सचिव डॉ बृजेश यादव एवं संचालन विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र डॉ रवि मिश्रा ने किया।उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ राजीव मालवीय ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिता से हमारा शारीरिक मानसिक विकास होता है एवं हमारा जीवन आचरण स्वभाव सकारात्मक होता है खेल को प्रतिस्पर्धा के रुप में लेना चाहिए इसमें किसी खिलाड़ी की हार जीत नही होती बल्कि हर बार नया करने का अवसर मिलता है।खेलकूद प्रतियोगिता में पुरुष महिला दौड़, लंबी दौड़, गोला फेंक, डिस्सकस थ्रो,ज्वैलिन थ्रो सहित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कोरांव बाजार गई महिला की दूसरे दिन मिली लाश

अखंड भारत संदेश

नामजद हत्या का मुकद्दमा दर्ज,चार बच्चों की है अम्मा मृतका

हत्या और कथित दुष्कर्म के बाद घटना स्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ग्रामीणों का दृश्य

कोरांव। थाना कोराव के ग्राम सुरैचा निवासिनी गुड़िया आदिवासी पत्नी राकेश कोल उम्र 30 साल की लाश पथरा सुभाष माइनर के किनारे मिलने से हरकम्प मच गया है। महिला दो मार्च की शाम चार बजे करीब मार्केटिंग करने घर से गई थी। बतादें कि गुड़िया चार बच्चों की मां है। बाजार से वापिस आते समय साढ़े चार बजे तक मोबाइल से उसके पति के लोकेशन में थी। किंतु जब शाम को घर नहीं पहुंची तो पति राकेश ने फिर फोन लगाया तो फोन स्विच आफ मिला। रात भर घर वाले खोजते रहे। किंतु सुबह सुभाष गांव के पास नहर के किनारे महिला की लाश मिली। उसके पति ने जाकर शिनाख्त की। पुलिस को सूचना मिली,मौके से लाश पुलिस ने हिरासत में लिया और पोमां के लिए भेज दिया। चर्चा है कि उक्त महिला के साथ कोई बेजा हरकतें भी की गई है,और विरोध करने पर उसकी हत्या कर दी गई। मृतका के भाई ने कुछ लोगों पर शक किया है। पप्पू पटेल पुत्र वेचनलाल पटेल ग्राम सुरईचा थाना खीरी के विरुद्ध नामजद रपट दी गई है। पुलिस हर पहलुओं पर जांच पड़ताल कर रही है। मृतका का मायका ग्राम मोजरा मिश्रा थाना खीरी प्रायग्राज है। तहरीर मृतका के भाई अमरनाथ पुत्र रामदयाल ने दी है। समा चार लिखे जाने तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी। इस घटना को सुनने के पश्चात एसपी जमुनापार ने थाना प्रभारी कोरांव के साथ घटना स्थल पर गए। और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

यूक्रेन संकटः छात्र के परिजनों से तहसीलदार ने की मुलाकात

शिक्षक पिता ने बताया यूक्रेन से सकुशल पोलैंड पहुंचा बेटा

अखंड भारत संदेश

परिजनों से मिलने व जानकारी लेते तहसीलदार

शंकरगढ़। यूक्रेन संकट में जनपद के भी कई लोग फंसे हुए हैं। इसमें कइयों की घर वापसी हो गई है तो कुछ के माता-पिता को अभी भी अपने पाल्यों की वापसी का इंतजार है। यमुनापार के राजा कमलाकर इंटर कालेज शंकरगढ़ में बतौर शिक्षक कार्यरत अर्जुन सिंह तोमर का बेटा राज प्रताप सिंह भी यूक्रेन से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है। वह भी रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग में फंस गया था। इस मामले की जानकारी होने पर गुरुवार को तहसीलदार बारा गणेश सिंह, लेखपाल गंगाप्रसाद, शिक्षक अर्जुन सिंह तोमर के घर पहुंचे और यूक्रेन में फंसे बेटे के संबंध में जानकारी ली।

शिक्षक अर्जुन सिंह तोमर ने बताया कि उनका बेटा राजप्रताप सिंह एमबीबीएस फाइनल ईयर का स्टूडेंट है। इस समय वह यूक्रेन की सीमा से निकलकर पोलैंड पहुंच चुका है और अब उसे भारत ले आने वाली फ्लाइट का इंतजार है। अर्जुन सिंह तोमर ने तहसीलदार को बताया कि राजप्रताप सिंह से लगातार बात हो रही है। वह पोलैंड में सही सलामत पहुंच गया है। जैसे ही उसे भारत आने वाली फ्लाइट मिलती है, वह यहां पहुंच जाएगा। इस दौरान तहसीलदार ने किसी भी स्तर पर मदद की आवश्यकता होने पर तत्काल सूचित करने के लिए कहा। बताते चलें कि इसी तरह लालापुर पडुआ का भी एक छात्र यूक्रेन संकट में फंस गया था। लालापुर पडुआ निवासी हरिश्चंद्र केसरवानी, जो किराना की दुकान चलाते हैं, का बेटा सौरभ केसरवानी वहां पढ़ाई करने के लिए गया था। सौरभ केसरवानी एक दिन पहले ही अपने घर पहुंच चुका है।

यूक्रेन से लौटे छात्र की मां ने मोदी के लिए मांगी दुआ

सहसों। मोदी जी का लाख-लाख शुक्रिया यूक्रेन में पढ़ाई के लिए गए छात्र के घर वापसी करने पर छात्र की मां ने मोदी जी के लिए नमाज के दौरान सलामती की दुआ मांगी। बता दें कि क्षेत्र के भोपतपुर सहसों निवासी छात्र मोहम्मद अफजल की यूक्रेन से वापसी हो चुकी है। वह गुरुवार को दिल्ली से अपने घर के लिए निकल चुके हैं। परिजन से मिलने उनके घर पहुंचे संभ्रांत नागरिकों में भाजपा नेता अनिरुद्ध सिंह पटेल एवं पूर्व ग्राम प्रधान भानु प्रताप सिंह से अफजल की मां हाजरा बेगम खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मोदी जी का लाख-लाख शुक्रिया। उन्होंने हमारे लाल को निःशुल्क वापस घर सकुशल पहुंचा दिया । मां हाजरा बेगम की आंखों में खुशी के आंसू आ गए और उन्होंने कहा नमाज अदा करने जा रही हूं प्रधानमंत्री मोदी जी की कुशलता के लिए ऊपर वाले से दुआ मांगूंगी। हाजरा बेगम ने बताया कि आज बेटे की सकुशल वापसी सुनकर तीन दिन बाद भोजन किया। बेटे की घर वापसी सुनकर मां घर की साफ सफाई में जुटी है। वही दिव्यांग बहन राजिया बानो तथा भाई मुमताज ने खुशी व्यक्त करते हुए भाई का इंतजार कर रहे हैं।

ओवरलोड ट्रको ने गड्ढा मुक्त रोड को बनाया ताल तलैया, का, अमरेश सिंह सड़क सही कराने का लिए जिम्मा

ग्रामीणों ने ओवरलोड ट्रकों को रोका, तो उजागर हुआ खीरी पुलिस लेती हैं माहवारी

लेडियारी। खीरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्रामीणों के आने जाने हेतु सरकार द्वारा गड्ढे रहित रोड बनाई गई थी। नारीबारी टौंस पुल निमार्णाधीन के चलते मध्यप्रदेश से गिट्टी बालू सोनवरी रोड होते हुए बड़ोखर पुलिस चौंकी इन्चार्ज के परमिशन प्राप्त होने के बाद ओवरलोड ट्रकों के चलने से ग्रामीणों का आवागमन बाधित होता जा रहा है । खीरी थाना क्षेत्र के कारखास अमरेश सिह दीवान से ग्रामीणों ने शिकायत जताया । तो उन्होंने कहा चलिए आप लोग अपने हैं चलने दीजिए रोड पर जहां गड्ढे हो गये है मैं खीरी पुलिस के तरफ से सोलिंग गिरवा कर रोड को सही करा दूगॉ । ग्रामीणों का यह कहना है कि यदि इन ओवरलोड ट्रकों के पास परमिट है तो मेन रोड से क्यों नहीं चलते, ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए ओवरलोड ट्रकों को चलने से रोकने में सहयोग करने की मांग की जा रही है। एवं माहवारी वसूली करने वाले दीवान के खिलाफ कार्रवाई करने की ग्रामीणों ने मांग की है।

जल निगम की पाइप सप्ताहभर से टूटी पानी की किल्लत

करछना। सप्ताहभर से प्राथमिक विद्यालय करछना के समीप पाइप लाइन टूट जाने से बस्तियो मे पानी नही पहुच पा रहा है जिससे लोगो को पानी के लिए दिक्कत हो रही है पाइप लाइन टूट जाने के कारण एक ओर जहा सडक पर पानी भर रहा वही दूसरी ओर लो प्रेशर के चलते घरो तक पानी नही पहुच पा रहा है।जिसके चलते लोगो को पानी के लिए काफी दिक्कत का सामना करना पड रहा है जल निगम की उदासीनता के चलते सप्ताहभर से पाइप लाइन टूटी है लेकिन इस ओर ध्यान नही जा रहा है विभागीय लोगो से शिकायत के बावजूद भी पाइप लाइन नही ठीक जा सकी।जिससे लोगो मे विभाग के प्रति नाराजगी व्याप्त है।

स्कूल में खडी मैजिक की बैट्ररी खोल लें गये चोर

करछना। करछना अंतर्गत गांव स्थित सरस्वती बाल मंदिर जूनियर हाई स्कूल के अंदर खड़ी टाटा मैजिक से चोरों ने बुधवार एवं गुरुवार कि रात मैजिक में लगी बैटरी पार कर दी एवं बाहर रखी हुई बालू जी भर कर उठा ले गए। गुरुवार की सुबह जब प्रबन्धक ने देखा तो घटना कि जानकारी हुई। इसके संबंध में विद्यालय के प्रबंधक एवं पत्रकार पवनेश कुमार पुत्र भगवान प्रसाद उपाध्याय वरिष्ठ पत्रकार एवं राष्ट्रीय संयोजक भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने करछना थाने में लिखित तहरीर दी है। जिसमें एक व्यक्ति की नामजद भूमिका का भी वर्णन किया है। गौरतलब हो कि विद्यालय के आसपास कुछ अराजक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है आए दिन कुछ न कुछ नुकसान करते रहते हैं। कुछ दिन पहले भी विद्यालय से डेस्क बेंच में चोरी हो गई थी जिस में भी उक्त नामजद व्यक्ति की भूमिका संदिग्ध थी और उसके घर से मौके पर बेंच देखी गई थी बाद में उसे वापस ले लिया गया था जिससे वह हमेशा खुन्नस खाए रहता है और विद्यालय की संपत्ति को नुकसान पहुंचने का प्रयास करता रहता है। थानाध्यक्ष से उचित कार्यवाही करने की मांग की गई है।

मतगणना के लिए व्यवस्था बढ़ाने का निर्देश

प्रयागराज। मतदान के बाद अब मतगणना पर जोर दिया जा रहा है। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने बुधवार को मंडी परिषद का निरीक्षण किया। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि मतगणना के लिए सभी तैयारी पूरी कराएं। सभी विधानसभा क्षेत्र में जितनी टेबल लगनी है, उसकी तैयारी अभी करें। सुरक्षा के व्यापक प्रबंध करें। प्रवेश द्वार के आसपास पार्किंग ऐसे बनाएं जिससे परेशानी न हो। मतगणना के बाद जाम के हालात न बने। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी हर्ष देव पांडेय मौजूद थे।

मुगदर बारात 13 और हथौड़ा बारात 16 को

प्रयागराज। ऐतिहासिक हथौड़ा बारात 16 मार्च को पूरे भौकाल के साथ चौक स्थित केसर विद्यापीठ इंटर कॉलेज से निकाली जाएगी। संयोजक संजय सिंह के अनुसार बारात में शहर के विशिष्ट लोगों को सम्मानित किया जाएगा। वहीं प्रयागराज सेवा समिति की ओर से 13 मार्च को दारागंज में धकाधक कवि सम्मेलन होगा और मुगदर बारात निकाली जाएगी।

बार एसोसिएशन संघ करछना ने तहसीलदार की कार्यशैली पर जताई नाराजगी

करछना। वर्तमान तहसीलदार जबसे कार्यभार ग्रहण किया है तब से केवल सप्ताहभर न्यायिक कार्य किया है तब से लेकर आज तक उनके द्वारा कार्य न किए जाने से अधिवक्ताओ मे नाराजगी है जिसे लेकर गुरुवार को अधिवक्ताओ ने एक बैठक कर संघ से मांग की है कि तहसीलदार के हठ धर्मिता के चलते जहा तहसीलदार के न्यायालय के कार्य बाधित हो रहा वही वादकारियो को भी दिक्कत का सामना करना पड रहा है और धारा 38 की पत्रावलियो पर तहसीलदार और रजिस्टार कानूनगो आदि की रिर्पोट वर्षो से लबित है और तहसीलदार द्वारा कोई सज्ञान नही लिया जा रहा है। जिसके चलते लोगो को न्याय के लिए लम्बी जदोजहद करनी पड रही है अधिवक्ताओ ने माग की है कि तहलसीलदार की कार्यशैली मे सघ हस्तक्षेप करते हुए अधिवक्ताओ और वादकारियो के हित मे न्यायिक और प्रशासनिक कार्य शुरू करा जाए। इस मौके पर मौजूद अधिवक्ताओ ने पत्र संघ को सौपते हुए जल्द से जल्द निराकरण कराने की माग की है।

मौका दीजिए अपने खून को, किसी की रगों में बहने का...

अखंड भारत संदेश

इलाहाबाद संग्रहालय में वीरप्पन, रईस फिल्मों के अभिनेता कनिष्क द्वारा लिखित नाटक कहब त लग जाई धक से और लाल रंग का भावपूर्ण मंचन

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय के स्थापना दिवस पर प्रयागराज की बहुचर्चित सामाजिक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक ह्युनुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान, प्रयागराजह्न के कलाकारों द्वारा ह्यकहब त लग जाई धक सेह्न और ह्यलाल रंगह्न नाटक का मंचन किया गया। इलाहाबाद संग्रहालय, कंपनी बाग में मंचित दोनों लघु नाटक फिल्म ह्यवीरप्पनह्न और ह्यरईसह्न में काम कर चुके अभिनेता कनिष्क सिंह ने लिखे हैं। निर्देशन रंगकर्मी कृष्ण कुमार मौर्य ने किया।

नाटक के पहले भाग में दीवारों की कहानी दिखाई गई। नाटक के दृश्यों में आनंद भवन, खुसरो बाग, संग्रहालय की दीवारों का चित्रण किया गया, जिसमें दीवारें चीख-चीखकर लोगों से अपील कर रही हैं कि मुझ पर पोस्टर चिपकाना, पान खाकर थूकना, खड़े होकर पेशाब करना बंद करें। हम आपकी धरोहर हैं हमें संरक्षित करें। वहीं दूसरे लघु नाटक में विक्रम और बेताल के माध्यम से रक्तदान के बारे में लोगों को जागरूक एवं रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया। नाटक के दृश्य में कुछ युवाओं में से एक युवा दुर्घटना शिकार हो जाता है और उसका काफी रक्त बह जाता है। इलाज के लिए रक्त की जरूरत पड़ती है, पर खून नहीं मिल पाता और वो खुद खून नहीं दे सकते, क्योंकि दुर्घटना के ठीक पहले उन्होंने शराब का सेवन किया था। ऐसे में पड़ोस के ह्यगुप्ताजीह्न आगे आकर रक्तदान करते हैं और उन्हें याद दिलाते हैं कि कभी मैं इन युवाओं के सामने गिड़गिड़ा रहा था और इन युवाओं ने मेरी मदद नहीं की थी लेकिन मैंने उस दिन से प्रण किया कि मैं हर किसी की मदद करूंगा। मैं हर तीसरे महीने रक्तदान करूंगा। कहानी केकिरदार ह्यगुप्ताजीह्न आगे कहते हैं - मौका दीजिए अपने खून को, किसी की रगों में बहने का, ये लाजवाब तरीका है, कई जिस्मों में जिंदा रहने का। नाटक के निर्देशक कृष्ण कुमार मौर्य ने कहा - रक्तदानी मौत को भी ढेर किया करते हैं, रक्तदान सा कर्म बस शेर ही किया करते हैं, मजबूर को देख नजर फेरने वालों सुनो, कभी - कभी हालात किसी को भी घेर लिया करते हैं। नाट्य मंचन के दौरान इलाहाबाद संग्रहालय के मूर्तिकार नगीना, आनंद राव वानखेडे ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कलाकारों में मोहम्मद करीम, कनिष्क सिंह, शिवेश सिंह, करण यादव, अभिषेक खत्री, रोशनी मौर्य, प्रीति, राहुल कुमार, प्रदीप कुमार, राजकुमार, हर्ष, राजपाल, शिवांगी, अभय मौर्य, नितिन मौर्य, रजत, विकास यादव शामिल रहे।

विश्वविद्यालय में भगदड़ के दौरान भागते छात्र

प्रदर्शन कर रहे छात्रों को समझाती पुलिस

जज के नाम से नैनी सेंट्रल जेल में भेजा मेल, हड़कंप

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। केंद्रीय कारागार नैनी में एक जज के नाम से मेल भेजकर सनसनी फैला दी गई। मेल के जरिए जेल में बंद हत्यारोपित विवेक सिंह उर्फ कट्टा को फतेहगढ़ जेल भेजने का आदेश था। विभागीय जांच में मेल फर्जी पाया गया तो जेल अधीक्षक राज सिंह यादव ने साइबर थाने में आइटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई। साइबर थाने की टीम ने अभियुक्त सुजीत बिंद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वह गाजीपुर के नंदगांव थाना क्षेत्र स्थित जलालपुर गांव का रहने वाला है। ईमेल भेजने के लिए जिस मोबाइल सिम का इस्तेमाल किया गया था, वह सुजीत के नाम पर था।बताया जाता है कि कुछ माह पहले सोनभद्र का रहने वाले विवेक सिंह को प्रशासनिक आधार पर नैनी जेल भेजा गया था। उस पर हत्या करने का आरोप है और शातिर अपराधी बताया जाता है। फरवरी के अंतिम सप्ताह में नैनी जेल प्रशासन के पास एक ईमेल पहुंचा, जिसमें एक न्यायिक अधिकारी के नाम का इस्तेमाल किया गया था। साथ ही कट्टा को नैनी से फतेहगढ़ जेल में शिफ्ट करने का आदेश था। सामान्यतः जेल प्रशासन के पास डाक से ही किसी तरह से आदेश आता है। इस पर जेल अधिकारियों को संदेह हुआ तो छानबीन शुरू की। तब पता चला कि जज की ओर से ऐसा कोई आदेश निर्गत नहीं हुआ। मामला लखनऊ तक पहुंचा तो खलबली मच गई। फिर जेल अधीक्षक की तहरीर पर मुकदमा लिखा गया। इसके बाद साइबर थाने की पुलिस ने छानबीन शुरू करते हुए गाजीपुर के सुजीत को गिरफ्तार किया। हालांकि अभी यह पूरी तरह से साफ नहीं हो सका है, फर्जी आदेश किसने भेजा था। इसकी तफ्तीश चल रही है। साइबर थाने के इंस्पेक्टर बृजेश सिंह यादव ने बताया कि एक आरोपित को पकड़कर जेल भेजा गया है।

ऑफलाइन परीक्षा को लेकर इलाहाबाद विश्व विद्यालय में भारी बवाल, कई छात्र घायल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ऑइफलाइन परीक्षाओं के विरोध में जारी आंदोलन के दौरान बृहस्पतिवार को बवाल हो गया। विश्वविद्यालय मेन गेट के सामने प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने पथराव किया तो पुलिस ने लाठियां पटक कर छात्रों को खदेड़ दिया। इस दौरान हुई भगदड़ में कुछ छात्र चोटिल भी हो गए।बवाल के दौरान तीन छात्र नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। छात्रों ने विश्वविद्यालय में संचालित कक्षाओं को पूरी तरह से ठप कर दिया है। इस मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से भी तहरीर दी जा रही है, जिसके आधार पर पुलिस आधा दर्जन छात्र नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने जा रही है।इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र लगातार मांग कर रहे हैं कि परीक्षाएं ऑनलाइन मोड में ही आयोजित की जाएं, जबकि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से ऑफलाइन मोड में परीक्षाएं कराए जाने का निर्णय लिया जा चुका है। स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की परीक्षाएं 22 अप्रैल से प्रस्तावित हैं,जबकि परास्नातक सम सेमेस्टर की परीक्षाएं में मई के पहले सप्ताह में होनी हैं।

पथराव के बाद भगदड़ में कई छात्र हुए घायल

कई दिनों से छात्र बेमियादी धरने पर बैठे हैं

ऑफलाइन परीक्षाओं के विरोध में छात्र कई दिनों से बेमियादी धरने पर बैठे हुए हैं। विश्वविद्यालय खुलने के बाद परिसर में छात्रों की भीड़ इकट्ठा हुई तो आंदोलन तेज हो गया और छात्र सुबह से ही विश्वविद्यालय के मेन गेट पर जुटने लगे। विश्वविद्यालय प्रशासन के अफसरों और पुलिस के अधिकारियों ने छात्रों को कई बार समझाने की कोशिश की और उनसे कहा कि वे अपनी कक्षाओं में वापस जाएं।छात्र नहीं माने और लगातार नारेबाजी करते रहे। इस दौरान छात्रों ने पत्थर चला दिए और हंगामा बढ़ने पर पुलिस को लाठियां पटक कर छात्रों को खदेड़ना पड़ा। लाठियां चलने के बाद भगदड़ में कुछ छात्र घायल हो गए।

तीन छात्रों को लिया गया हिरासत में

कुछ विभागों में मामूली तोड़फोड़ भी की गई। तीन छात्रों को हिरासत में ले लिया गया, जिसके विरोध में छात्रों ने विश्वविद्यालय में सभी कक्षाएं बंद करा दीं। इसके बाद भी छात्र मेन गेट पर जुटे हुए हैं और मांग कर रहे हैं कि विश्वविद्यालय प्रशासन आज ही ऑनलाइन परीक्षा कराए जाने पर कोई निर्णय ले। पुलिस और छात्रों के बीच कई बार नोकझोंक भी हुई।

मुकदमों के निस्तारण में सहयोग करें अधिवक्ता : मुख्य न्यायमूर्ति

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश बड़ा प्रदेश होने केनाते यहां लंबित मुकदमों की संख्या सबसे अधिक है। उनके निस्तारण के लिए सुनियोजित तरीके से काम किया जा रहा है। इसमें अधिवक्ताओं के सहयोग की जरूरत है। यह बातें मुख्य न्यायमूर्ति ने बृहस्पतिवार को कहीं। वह हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।कार्यक्रम में मुख्य न्यायमूर्ति ने अधिवक्ताओं केसाथ अपनी यादों को भी ताजा किया। कहा कि बार एसोसिएशन के माध्यम से ही काम करने की बेहतर समक्ष और जानकारी हुई। उन्होंने कहा कि बार के वरिष्ठ सदस्यों से प्राप्त होने वाले सुझाव व अनुभव आज भी प्रासंगिक हैं। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधाकांत ओझा ने कोविड-19 के दौरान आने वाली विभिन्न समस्याओं पर मुख्य न्यायमूर्ति का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर, न्यायमूर्ति केजे ठाकर, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, बार एसोसिएशन केमहासचिव सत्यधीर सिंह जादौन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र, नीरज कुमार त्रिपाठी, सुरेंद्र नाथ मिश्र, धर्मेंद्र सिंह, सत्यम पांडेय, आशुतोष त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

एम्बुलेश में गूंजी बच्चे की किलकारी

108 एंबुलेंस में गूंजी किलकारी

लालापुर। सरकारी एंबुलेंस प्रसूती महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही हैं।बुधवार को रचना आदिवासी २० पत्नी सदानंद आदिवासी ग्राम भगदेवा इन दिनों गर्भ से थी बुधवार की भोर में रचना को प्रसव पीड़ा होने पर अपने घर वालों को सूचना दी तो उसके घर वालों ने 108 को फोन करके एंबुलेंस बुलाया 108 एंबुलेंस के ईएमटी राकेश कुमार चालक संतोष कुमार के साथ मौके पर पहुंचे और रचना को एंबुलेंस से ले जाने लगे अभी एम्बुलेंस झंझरा पांडे गांव के समीप पहुँची ही थी कि अचानक रचना का प्रसव पीड़ा बहुत बढ़ गया और ईएमटी राकेश कुमार ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए चालक को गाड़ी किनारे खड़ी करने के लिए कहा और पायलट ने सड़क के किनारे एम्बुलेंस खड़ी कर दी और गांव की आशा अनूप वती की मदद से एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया रचना ने एक पुत्री को जन्म दिया।प्रसव कराने के बाद जच्चा बच्चा दोनों को सुरक्षित पीएचसी में भर्ती कराया जहां पर जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ हैं और स्टाफ नर्स किरन ने बताया कि जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित हैं रचना के परिजनों ने १०८ एंबुलेंस के स्टाफ एवं एंबुलेंस व स्वास्थ्य सेवा का आभार प्रकट किया है।

पीसीएस की दो परीक्षाओं में 38 सवाल गलत

विशेषज्ञों की योग्यता पर उठ रहे सवाल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पीसीएस-2019 और पीसीएस-2020 की प्रारंभिक परीक्षाओं में 38 सवाल गलत पूछे गए थे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से उत्तर कुंजी जारी किए जाने के बाद इस गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। प्रदेश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा में इतने बड़े पैमाने पर हुई गड़बड़ी के बाद अभ्यर्थी भड़के हुए हैं और आयोग के विशेषज्ञों की योग्यता पर ही सवाल उठा रहे हैं।आयोग की ओर जारी संशोधित उत्तर कुंजी के अनुसार पीसीएस-2019 और पीसीएस-2020 की प्रारंभिक परीक्षाओं में 38 सवाल ऐसे पूछे गए थे, जिनके उत्तर संशोधित उत्तर कुंजी में बदले गए या पूरा सवाल ही हटा दिया गया।आयोग ने पीसीएस-2019 की प्रारंभिक परीक्षा के प्रथम प्रश्नपत्र दो प्रश्नों के उत्तर बदले हैं और आठ प्रश्न डिलीट यानी हटा दिए हैं। वहीं, द्वितीय प्रश्नपत्र में पांच सवालों को डिलीट करने के साथ पांच प्रश्नों के उत्तर भी बदले गए। पीसीएस-2020 की प्रारंभिक परीक्षा के प्रथम प्रश्नपत्र में पांच प्रश्न डिलीट किए जाने के साथ सात प्रश्नों के उत्तर बदले गए हैं और द्वितीय प्रश्नपत्र में तीन सवाल डिलीट किए गए है और तीन के उत्तर बदले गए हैं। प्रदेश के सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा में इतने अधिक संख्या में सवाल गलत होने पर आयोग के विशेषज्ञों का पैनल ही सवालों के घेरे में है। अभ्यर्थियों का कहना है कि यह परीक्षा के साथ खिलवाड़ है। वे इस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदारी तय किए जाने और कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं।

संशोधित उत्तरकुंजी से संतुष्ट नहीं अभ्यर्थी, जाएंगे कोर्ट

पीसीएस-2019 और पीसीएस-2020 की संशोधित उत्तरकुंजी से अभ्यर्थी संतुष्ट नहीं है। उन्हें आपत्तियों के निस्तारण पर भी आपत्ति है। अभ्यर्थी अब न्यायालय जाने की तैयारी कर रहे हैं।प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के अध्यक्ष अवनीश पांडेय का कहना है कि आयोग ने परीक्षा के तीन साल बाद उत्तरकुंजी जारी की और उत्तरकुंजी भी तब जारी की गई जब अभ्यर्थी कोर्ट की शरण में पहुंचे। अवनीश का आरोप है कि आयोग अपनी गलतियों को छिपाना चाहता है और इसी वजह से संशोधित उत्तरकुंजी जारी करने में देर की गई।

मैनपुरी में छात्रा से बलात्कार व हत्या के मामले में सुनवाई टली

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मैनपुरी में छात्रा के फांसी लगाने के मामले में बृहस्पतिवार को हाईकोर्ट में सुनवाई टल गई। कोर्ट ने अगली तिथि 23 मार्च निर्धारित की है। मामले में मुख्य न्यायमूर्ति राजेश कुमार बिंदल और न्यायमूर्ति पियूष अग्रवाल की खंडपीठ सुनवाई कर रही है।सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पुलिस की प्रगति रिपोर्ट जाननी चाही। इस पर सरकारी अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने कोर्ट को बताया कि उत्तर प्रदेश का चुनाव होने की वजह से अधिकारी उसमें व्यस्त रहे। इसलिए जांच प्रभावित रही। सरकारी अधिवक्ता को सुनने के बाद कोर्ट ने सुनवाई के लिए आगे की तिथि लगा दी। घटना 16 सितंबर 19 की है।

पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया की जमानत अर्जी पर सुनवाई टली

प्रयागराज ' जवाहर हत्याकांड में जेल में बंद पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया की जमानत अर्जी पर सुनवाई टल गई है। कोर्ट ने अगली तिथि 31 मार्च तय की है। सुनवाई न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता की खंडपीठ की रही है।पूर्व सांसद की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट में जमानत अर्जी के साथ कुल चार याचिकाएं दाखिल की गई हैं। कोर्ट सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रही है। बृहस्पतिवार को भी सुनवाई होनी थी लेकिन याची के अधिवक्ता के आग्रह पर सुनवाई टाल दी गई।

यूक्रेन से आयें छात्रों से डीएम ने की मुलाकात, पूछा कुशलक्षेम

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री गुरूवार को यूक्रेन से आए हुए छात्रों से कलेक्टेट परिसर में मुलाकात करते हुए उनसे उनके कुशलक्षेम के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने छात्रों के माता-पिता से भी बातचीत की। जिलाधिकारी से मिलने वाले छात्रों में रितिक दिवाकर निवासी धूमन गंज एवं रूचि पाण्डेय निवासी सुलेम सरॉय है। जिलाधिकारी ने छात्रों को आश्वस्त करते हुए कहा कि यूक्रेन में यदि उनके कोई साथी या अन्य कोई छात्र फंसे हुए होंगे, तो उनकों भी लाने की कार्रवाई शीघ्रता से की जायेंगी।

मानिकपुर गांव में दोबारा हुआ मतदान

अखंड भारत संदेश

हंडिया। हंडिया विधानसभा क्षेत्र के मानिकपुर मतदेय स्थल (311) पर गुरुवार को दोबारा मतदान कराया गया। शाम छह बजे तक यहां कुल 61.44 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां 27 फरवरी को पांचवें चरण के दौरान चुनाव संपन्न हो चुका है लेकिन मतदानकर्मियों की लापरवाही से चुनाव संबंधित अभिलेख बस में से गुम हो गए थे। इसलिए यहां दोबारा मतदान कराया गया। दोबारा मतदान होने से मतदान प्रतिशत भी बढ़ गया। 27 फरवरी को हुए चुनाव के दौरान 59.55 फीसद मतदान हुआ था।दरअसल, एक मार्च को उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने इस मतदेय स्थल पर पुनर्मतदान कराए जाने की घोषणा कर दी थी। यहां सुबह 7:00 बजे से मतदान शुरू हुआ जो सायं 6:00 बजे तक चलेगा। हंडिया तहसील के एसडीएम रमेश चंद्र मौर्या ने बूथ पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कराया गया।

महिलाओं की ज्यादा रही भागीदारी

प्राथमिक विद्यालय मानिकपुर पर दोबारा मतदान करते हैं मतदाता

बायीं मध्यमा अंगुली पर लगाई गई स्याही

जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 27 फरवरी को जो भी मतदाता मतदान कर चुके हैं उनके दाहिने हाथ की अंगुली में स्याही लग चुकी है। इस बार उनके बायें हाथ की मध्यमा अंगुली में स्याही लगाई जाएगी ताकि कोई असुविधा या कन्फ्यूजन न होने पाए।

महिलाओं की ज्यादा रही भागीदारी

इस बूथ पर 1058 वोटर हैं। इसमें 545 पुरुष और 513 महिलाएं है। इसमें 287 पुरुषों और 343 महिलाओं ने मतदान किया। यहां पर पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में मतदान प्रति उत्साह उस दिन दिखा था। यहां के मतदाताओं में खुशी थी कि इन्हें दोबारा मतदान करने का मौका मिला है। इस बार वह बिल्कुल सोचकर समझकर अपने नेता का चुनाव किए।

अनियंत्रित कार दीवार से टकराई, दो सगे भाइयों की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। होलागढ़ के दहियावां नहर के पास बृहस्पतिवार को अनियंत्रित कार एक घर की दीवार से जा टकराईं। हादसे में कार सवार दो सगे भाइयों की मौत हो गई। दो गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर प्रतापगढ़ से परिजन पहुंच गए।

जनपद प्रतापगढ़ के नारायणपुर निवासी राम नेवाज, शंकर लाल, राम समुझ एवं अंश सरोज बृहस्पतिवार को कार से दहियावां नहर के पास से गुजर रहे थे। मोड़ पर कार अनियंत्रित होकर एक घर की दीवार से टकरा गई। हादसे में राम नेवाज (60) और उनके भाई शंकर लाल (40) की मौत हो गई है। कार में सवार राम नेवाज के बेटे राम समुझ अंश सरोज गंभीर रूप से घायल हो गए।आस पास के लोग इकट्ठे हो गए। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घर वालों को भी सूचना दी गई तो नारायणपुर से परिजन रोते बिलखते पहुंच गए। एक ही परिवार के दो लोगों की मौत से गांव में मातम छा गया था। होलागढ़ प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि घायलों की हालत चिंताजनक थी। उन्हें शहर भेजा जा रहा है।

क्षतिग्रस्त अनियंत्रित कार

बदमाशों ने की एसबीआई एटीएम लूटने की कोशिश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कालिंदीपुरम स्थित एसबीआई ब्रांच के बाहर लगे एटीएम में बदमाशों ने लूट की कोशिश की। सब्बल और हथौड़े से मशीन में काफी तोड़फोड़ की लेकिन बदमाश कैश बाक्स खोलने में सफल नहीं हो पाए। अगले दिन पुलिस को सूचना दी गई। घटना 28 मार्च तड़के की है लेकिन बृहस्पतिवार शाम तक रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की गई थी।

धूमनगंज थाना क्षेत्र में एसबीआई कालिंदीपुरम की शाखा के बाहर एटीएम बूथ है। 28 फरवरी की सुबह तकरीबन तीन बजे दो बाइक पर सवार चार बदमाश पहुंचे। तीन बदमाश बाइक से उतरकर एटीएम बूथ के अंदर पहुंचे और मशीन को खोलने का प्रयास शुरू कर दिया। एक बदमाश बाहर खड़ा होकर निगरानी कर रहा था। बदमाशों ने सब्बल और हथौड़े से करीब आधे घंटे तक मशीन खोलने का प्रयास किया लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। मशीन में उन्होंने काफी तोड़फोड़ की। जब सफल नहीं हो पाए तो करीब साढ़े तीन बजे बाहर निकलकर भाग निकले। सुबह बैंककर्मी पहुंचे तो तोड़फोड़ की जानकारी हुई। एटीएम बूथ के अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरा लगे फुटेज में बदमाशों की पूरी हरकत कैद हो गई थी। उच्चाधिकारियों को सूचना देकर शाखा प्रबंधक सौरभ सिन्हा ने शाम को तहरीर दी लेकिन जांच के नाम पर आज तक रिपोर्ट नहीं दर्ज की गई थी। चौकी इंचार्ज राजरूपपुर बृहस्पतिवार को एटीएम बूथ पहुंचे और कहा कि जल्द ही रिपोर्ट दर्ज कर ली जाएगी। शाखा प्रबंधक के मुताबिक घटना के समय एटीएम में करीब 26 लाख रुपये थे।

चोरों के द्वारा तोड़ा गया एटीएम

2019 में भी हो चुकी हैं दो घटनाएं

शहर में पहले भी एटीएम लूट के लिए तोड़फोड़ की घटनाएं हो चुकी हैं। बदमाशों ने जनवरी 2019 में मेडिकल कालेज के पास स्थित आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम में तोड़फोड़ कर लूट की कोशिश की थी। इसी साल मार्च में अल्लापुर स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम मशीन में तोड़फोड़ कर लूट का प्रयास किया गया था।

हर परीक्षा केन्द्र पर तैनात होंगे अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक

प्रश्न पत्र की डबल लाक की चाभी भी होगी अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक के पास

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। इस बार हाईस्कूल व इंटर की बोर्ड की परीक्षा की तिथि भले ही अभी तक घोषित न हुई हो, लेकिन उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा के अधिकारीगण इस बार बोर्ड की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा को नकल विहीन कराने की तैयारी में जुट गये हैं।

हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा को सुचितापूर्ण व नकलविहीन कराने के लिये यूपी बोर्ड इस वर्ष कुछ नायाब तरीका निकाला है। हर परीक्षा केन्द्र पर केन्द्र व्यवस्थापक के अलावा अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक तैनात किया जा रहा है। इसके अलावा डबल लाक में रखे जाने वाले प्रश्न पत्रों की सुरक्षा को और मजबूत करते हुए अब डबल लाक की एक चाभी अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक के पास

बोर्ड परीक्षा देते छात्र-छात्राएं। फाइल फोटो

रहेगी और डबल लाक से प्रश्न पत्र निकालते समय अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक वहां मौजूद रहेंगे। प्रतापगढ़ जिले में इस वर्ष हाईस्कूल व इंटर के परीक्षार्थियों की संख्या लगभग एक लाख नौ हजार है जो 206 निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देंगे। हर परीक्षा केन्द्र को जिला मुख्यालय पर बने कन्ट्रोल रुम से आनलाइन जोड़ा जा रहा है।

इस तरह जिला मुख्यालय पर बैठा अधिकारी किसी भी परीक्षा केन्द्र की वस्तु स्थिति यहीं बैठकर देख सकता है। इसके अलावा परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरा व वाइस रिकार्डर लगाने की भी अनिवार्यता कर दी गई है। यूपी बोर्ड की तैयारी कर रहे एक शिक्षा कर्मचारी ने बताया कि शासन के निदेर्शों के अनुसार परीक्षा को नकलविहीन कराने के लिये हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। अनुमान है कि मार्च माह के प्रथम सप्ताह में हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाएं हो सकती हैं। अभी तक प्रयोगात्मक परीक्षाओं की तिथि नहीं आई है।

दुष्कर्म का आरोपी प्रधान पति गिरफ्तार

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के संग्रामपुर निवासी विवाहिता ने एक मार्च को नवाबगंज पुलिस को दुष्कर्म की तहरीर देते हुए शिकायत किया है कि ग्राम प्रधान पति ओमप्रकाश यादव 24 व 28 फरवरी की शाम जॉब कार्ड बनाने के लिए मुझे अपने घर पर बुलाकर मेरे साथ दुष्कर्म किया। मेरे विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दिया। किसी तरह उसके चंगुल से भाग कर अपने परिजनों को सारी बात बताई जिस पर पुलिस ने महिला की तहरीर पर आरोपी ग्राम प्रधान पति ओमप्रकाश यादव के खिलाफ धारा 376, 506 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज करते हुए पीड़िता महिला को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा। आरोपी ग्राम प्रधान पति ओमप्रकाश यादव को नवाबगंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गुरुवार की सुबह लगभग साढ़े पांच बजे आलापुर तिराहे से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पूछने पर आरोपी ग्राम प्रधान पति ओम प्रकाश यादव ने बताया कि सम्पन्न हुए विधान सभा की चुनाव की रंजिश में फर्जी फंसाया जा रहा है ।

बहुगुणा पीजी कालेज में एनएसएस शिविर का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। हेमवतीनंदन बहुगुणा पी जी कालेज लालगंज प्रतापगढ़ में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर का उद्घाटन समारोह संम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ वीरेन्द्र मिश्र ने किया, तथा मुख्य अतिथि के रूप महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ राजकुमार पांडेय उपस्थित रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री मिश्र शिविरार्थियों को आत्म अनुशासन द्वारा राष्ट्र तथा समाज के उन्नयन हेतु प्रेरित किया।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र मिश्र ने शिविर के महत्ता पर प्रकाश डालते हुए शिविरार्थियों को शिक्षा एवं समाज उत्तकृष्ट योगदान हेतु प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डॉ सीमा त्रिपाठी एवं डॉ फणीन्द्र नारायण मिश्र ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ वाचस्पति मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ राजेन्द्र मिश्र, डॉ आलोक

कालेज में आयोजित शिविर में बोलते प्राचार्य डा0 शैलेन्द्र मिश्र।

जी,डॉ सत्येंद्र त्रिपाठी,, डॉ गंगाधर, डॉ संतोष, डॉ श्याम नारायण, डॉ दिनेश जी,डॉ अभिषेक, डॉ ऐशवर्य, डॉ राजीव, डॉ निशान्त, डॉ कुमार, डॉ जितेंद्र, सहित समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

सैनिक स्कूल मे मेधावी की सफलता पर खुशी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा मे सफलता को लेकर मेधावी के ननिहाल व परिजनों मे खुशी देखी गयी। पडोसी जिले अमेठी के टीकरमाफी गांव के अरूण कुमार श्रीवास्तव के पुत्र अभिनव श्रीवास्तव को आल इण्डिया सैनिक स्कूल अमेठी मे कक्षा छः की प्रवेश परीक्षा मे सफलता मिली है। सफलता की जानकारी पर परिजनों मे खुशी देखी गयी। वहीं अभिनव के ननिहाल नौबस्ता मे भी पूर्व शिक्षक ज्ञानचंद्र श्रीवास्तव के घर भी लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार करते दिखे।

अनियंत्रित बाइक सवार नहर में गिरा, मौत

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। अनियंत्रित बाइक सवार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरा जिससे उसकी मौत हो गई घर का इकलौता वारिस होने के कारण घर में उसकी मौत से कोहराम मच गया। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के दमडी गांव के रहने वाले अखिल शर्मा (18) वर्ष पुत्र पंकज शर्मा बुधवार की रात करीब सात बजे के आसपास वह बाजार से घर लौट रहा था। इस दौरान जब वह दुकरा नहर पर पहुंचा था कि उसकी बाइक नहर में गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। फिलहाल घटना की जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकाला और घर ले गए। पुलिस को सूचना दिए बिना पोस्टमार्टम कराए ही बिना अंतिम संस्कार के लिए रवाना हो गए हैं। घटना के बाद से ही अखिल शर्मा की मां का रो रो कर बुरा हाल है।

महेवा मलकिया मे आज निकलेगी कलश यात्रा

अखंड भारत संदेश

बाबागंज, प्रतापगढ़। महेशगंज के महेवा मलकिया मे आज शुक्रवार से शुरू होने वाली श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ को लेकर दोपहर बारह बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी। उक्त जानकारी देते हुए कथा के संयोजक पं. जनार्दन प्रसाद त्रिपाठी ने बताया कि कलश यात्रा के बाद श्रीमद्जगद्गुरू नृसिंह पीठाधीश्वर धाम के कथाव्यास अनूपदेव जी महराज द्वारा अपरान्ह दो बजे से आगामी दस मार्च तक कथा का वाचन किया जाएगा।

यूक्रेन में मौत के मुंह से सकुशल वापस लौटी संध्या व सचिव

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। यूक्रेन व रुस में चल रहे भीषण महायुद्ध में फंसे भारतीयों की जान भी फंसी है, लेकिन उनमें से जो लोग निकलकर अपने घर पहुंच रहे हैं, उनके मां-बाप अपने को भाग्यशाली मान रहे हैं। ऐसा ही मामला लालगंज के तुलापुर की बेटी व पट्टी के गंगेहटी का बेटा सकुशल घर वापस लौट आया है।

लालगंज के तुलापुर निवासी फौजी विमल कुमार सिहं की बेटी संध्या एमबीबीएस की पढ़ाई करने युक्रेन गई थी। वह द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा थी। इस बीच युक्रेन व रूस के बीच युद्ध शुरू हो गया। युद्ध से भयभीत एक तरफ परिजन तो दूसरी तरफ संध्या थी। परिजन बेटी की सलामती के साथ स्वदेश लौटने की ईश्वर से प्रार्थना करते रहे। 27 फरवरी को संध्या दस कि०मी० पैदल चलकर 28 फरवरी को एयरपोर्ट पहुँची। दो मार्च को वह लखनऊ पहुँची। वहां फौजी पिता ने रिसीव कर बुद्धवार की रात में पैतृक स्थान तुला पुर आ गए। गाँव में अपनों के घर पंहुचते ही परिजनों में खुशी की लहर है। बेटे को सुरक्षित पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली है। घर पंहुचने की जानकारी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सचिन कुमार सिंह को भी वाराणसी बुलाया है। सचिन यूक्रेन के इवानो में रहकर एमबीबीएस की थर्डईयर सेमेस्टर की तैयारी कर रहा था।

परिजनों से मिलकर निहाल हुए संध्या व सचिव

अपने परिजनों से मिलकर निहाल होती संध्या।

पीएम के बुलावे पर संध्या व सचिन पहुँचे बनारस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। युक्रेन से घर पहुँची एमबीबीएस की छात्रा को पीएम नरेन्द्र मोदी ने मुलाकात करने के लिए बनारस बुलाया। डीएम के निर्देश पर गुरुवार को एसडीम संध्या को लेकर बनारस चले गए। इस दौरान संध्या ने देश के प्रधानमंत्री की खूब जमकर तारीफ की। मुझे देश के पीएम पर गर्व है। आज मैं जिंदा आई हूँ तो मेरे देश के पीएम नरेन्द्र मोदी की देन है।

रंगदारी ना मिलने पर दिया जान से मारने की धमकी

पट्टी, प्रतापगढ़। रंगदारी मांगने पर पैसे ना देना से नाराज एक दबंग ने युवक को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के लबेदा गांव के रहने वाले महावीर गिरी ने बताया कि उसके गांव का रहने वाला युवक ने उससे 20000 की रंगदारी मांगी जब उसने इसके लिए मना किया तो उसने जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी पर जान से मारने की धमकी तथा रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज किया है।

महुली मण्डी से पकड़े गये 14 छुट्टा पशु, हड़कंप

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल के निर्देश पर आज गुरुवार को नगर पालिका ने महुली मण्डी में छुट्टा पशुओं के विरुद्ध अभियान चलाकर 14 पशुओं को पकड़कर उन्हें गोशाला भेजवा दिया। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी बुधवार की शाम महुली मण्डी गये थे, जहां ईवीएम लाक में रखा गया है।

इस दौरान महुली मण्डी में घूमते छुट्टा पशुओं को देखकर जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल का पारा चढ़ गया और उन्होंने अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह को बुलाकर छुट्टा पशुओं के विरुद्ध कार्यवाही करने का आदेश दिया। इसी क्रम में गुरुवार को दिन में 12 बजे नगर पालिका की टीम महुली मण्डी पहुंच गई और छुट्टा पशुओं की धरपकड़ शुरू कर दिया। यह क्रम चार बजे तक चला। कुछ छुट्टा पशु तो भाग गये, फिर भी 14 पशुओं को पकड़कर गोशाला भेज दिया गया। बता दें कि महुली मण्डी में दस मार्च को मतगणना होगी। यहीं पर ईवीएम मशीनें रखी हुई हैं। इसके लिये अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है। बहरहाल नगर पालिका की आज की कार्यवाही से अपने घरों के पशुों को छुट्टा छोड़ने वालों मे हड़कंप मचा है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर हुई कार्यवाही

छुट्टा पशुओं को गाड़ी में भरते सफाई कर्मचारी।

सुरक्षा प्राप्त लोग नहीं बन सकेंगे मतगणना एजेंट

प्रतापगढ़। विधान सभा चुनाव की मतगणना के लिए हर प्रत्याशी 14 एजेंट और एक रिलीवर का पास बनवा सकेगा। कोई सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति मतगणना एजेंट नहीं बन सकेगा। मतगणना 14 टेबलों पर होगी। जिस विधानसभा क्षेत्र के पोस्टल बैलेट की संख्या 500 से अधिक होगी वहां अतिरिक्त टेबल लगाई जाएगी। एसडीएम सदर सौम्य मिश्र ने बताया कि हर प्रत्याशी को 14 एजेंट और एक रिलीवर का पास दिया जाएगा। सुरक्षा प्राप्त लोगों को मतगणना एजेंट नहीं बनाया जाएगा।

यूक्रेन से मेडिकल छात्र की सकुशल वापसी को लेकर मोना ने की पहल, विदेश मंत्री को लिखा पत्र

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। यूक्रेन मे फंसे क्षेत्र के भारतीय छात्र को सकुशल स्वदेश वापस लाये जाने के लिए क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने बड़ी पहल की है। क्षेत्र के सूबेदार का पुरवा ओरीपुर नौगीर के रामकिशोर पाल का पुत्र अमित पाल यूक्रेन के टारनोपिल स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी मे मेडिकल की पढ़ाई के लिए अध्ययनरत है। यूक्रेन मे उत्पन्न संकटपूर्ण हालात मे अमित वहां फंसा हुआ है। उसने हालात की जानकारी अपने घर फोन पर दी। इसके बाद परिजनों ने बुधवार की रात ही क्षेत्रीय विधायक मोना को फोन कर स्थिति की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही विधायक आराधना मिश्रा मोना ने दो मार्च की देर रात केन्द्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर भारतीय छात्र अमित पाल को भारत सुरक्षित वापस लाने के लिए आवश्यक कदम उठाये जाने का अनुरोध किया है।

विधायक मोना ने यूरेशिया मे भारत सरकार के संयुक्त सचिव आदर्श सवाईका को भी पत्र की प्रतिलिपि भेजवाकर अमित के वापसी मे पर राष्ट्रीय नीतिगत समन्वय के तहत सहयोग की अपेक्षा की है। आराधना मिश्रा मोना के लिखे गये पत्र को यहां जारी करते हुए मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने बताया कि विधायक मोना के निर्देश पर गुरूवार को भारतीय छात्र अमित पाल के घर सांगीपुर ब्लाक कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधि मण्डल पहुंचा। प्रतिनिधि मण्डल ने परेशान परिजनों को विधायक की ओर से अमित के सुरक्षित घर वापसी के लिए भरपूर उठाये जा रहे कदम की जानकारी देते हुए धैर्य बनाये रखने को कहा। प्रतिनिधिमण्डल मे प्रतिनिधि आशीष उपाध्याय, जिपंस रिंकू सिंह परिहार, जिपंस अशोकधर द्विवेदी, सुधाकर पाण्डेय, रामबोध शुक्ल, राकेश यादव आदि शामिल रहे।

शिव आराधना की जगह-जगह धूम, भक्तों ने चखा प्रसाद

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर पंचायत के अझारा चकौड़िया मे बुधवार की देर शाम हुए भगवान शिव के मंदिर की स्थापना के आराधना उत्सव को लेकर हुए भण्डारे मे श्रद्धालुओं का उत्साहजनक समागम दिखा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का दर्शन पूजन करते हुए पंक्तिबद्ध होकर देर रात तक प्रसाद चखा। भण्डारे का संयोजन समाजसेवी पं. अवधेश नारायण पाण्डेय ने किया। वार्षिकोत्सव समारोह का संचालन रमाशंकर पाण्डेय ने किया। सुरेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, हरिशंकर पाण्डेय व कृपाशंकर पाण्डेय ने प्रसाद वितरण का प्रबंधन किया। वहीं पूरे हरिकिशुन गांव मे भी ऊँ नमः शिवाय जाप को लेकर हुए भण्डारे मे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी दिखी। भण्डारे का संयोजन शिवशंकर मिश्र व उमाशंकर मिश्र ने किया। वहीं नगर की पुरानी बाजार मे स्थित शिव मंदिर मे भी बुधवार की रात हुए भण्डारे के सामूहिक आयोजन मे श्रद्धालुओं का उत्साह छलका दिखा। कार्यक्रमों मे चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, सभासद अनिल पाण्डेय, करूणाशंकर दुबे, विमलेश नारायण तिवारी, रमेश जायसवाल, शास्त्री सौरभ, जय कौशल आदि की भी सराहनीय सहभागिता दिखीं।

एकता महोत्सव की सफलता पर प्रमोद ने जताया आभार

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ धाम में सत्ताईसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव की सफलता को लेकर बाबा घुइसरनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष व पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी ने क्षेत्रीय जनता, आयोजन समिति के सदस्यों, जिला एवं स्थानीय प्रशासन के सहयोग के प्रति आभार जताया है। प्रमोद तिवारी ने महोत्सव की सफलता को लेकर पत्र लिखकर परम्परागत सहयोग की सामूहिक एकता की भावना की मजबूती के लिए रामपुर खास के परिवार की सराहना की है। इधर सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के निर्देश पर गुरूवार से पूर्वांचल के चार दिवसीय दौरे पर भी रवाना हुये। पार्टी स्टार प्रचारक प्रमोद को पूर्वांचल की प्रियंका द्वारा कमान सौंपे जाने की जानकारी को लेकर गुरूवार को यहां कैम्प कार्यालय पर मौजूद कार्यकताओं मे खुशी भी देखी गयी।

स्कूली बस चालक व खलासी की पिटाई, दी तहरीर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्कूली बस के खलासी चालक की पिटाई को लेकर अफरातफरी मच गयी। कोतवाली के धारूपुर निवासी देवीदीन के पुत्र बाबूलाल कोरी ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि गुरूवार की सुबह वह साढे आठ बजे एक पब्लिक स्कूल की बस को लेकर छात्रों को लाने पूरे भिच्छुकराम गया था। वहां दो दिन पहले हुई कहासुनी को लेकर रंजिशन गांव के संतोष कुमार मिश्र व आनन्द कुमार मिश्र तथा एक अज्ञात ने बस रोककर उसे मारने पीटने लगे। चीखने चिल्लाने पर बस का चालक प्रभाकर शुक्ल बीचबचाव को पहुंचा तो आरोपियों ने उसे भी मारापीटा। पीडित ने शोर मचाया तो आरोपियो ने जातिसूचक गाली देते हुए जानलेवा धमकी भी दी। स्कूली बस के चालक व खलासी की पिटाई देख गांव मे अफरातफरी मच गयी। गांव के कुछ लोगों ने किसी तरह समझा बुझाकर मामला ठण्डा कराया। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पोल्ट्री फार्म मे तोडफोड व फायरिंग को लेकर दर्जन भर के खिलाफ केस

लालगंज, प्रतापगढ़। पोल्ट्री फार्म मे मारपीट व तोडफोड को लेकर पुलिस ने बुधवार की रात चार नामजद तथा आठ अज्ञात के खिलाफ फायरिंग समेत कई धाराओं मे केस दर्ज किया है। कोतवाली के सकूहाबाद निवासी शरीफ पुत्र हारून ने दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती पहली मार्च को दिन मे दो बजे हदिराही स्थित उसके पोल्ट्री फार्म मे विपक्षियों ने बवेला काटा। हदिराही गांव के नन्हें वर्मा के पुत्र महेन्द्र वर्मा व अजीत तथा जीतेन्द्र व नन्हें सहित आठ अज्ञात लोगों ने लाठी डण्डे से लैस होकर उसके पोल्ट्री फार्म पर धावा बोल दिया। आरोपियो ने फार्म मे मौजूद उसके बेटे को मारापीटा।

रक्तदान से किसी को प्राणदान मिले यही करणी सेना का है उद्देश्य : विनोद

स्थापना दिवस पर करणी सैनिकों ने तीस युनिट किया रक्तदान

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। गुरुवार को श्री राजपूत करणी सेना के स्थापना दिवस के अवसर पर दर्जनों सैनिकों ने रक्तदान किया। रक्तदान से किसी को प्राणदान मिले यही करणी सेना का मुख्य उद्देश्य है।कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती पॉलीटेक्निक में किया गया।

लालगंज स्थित सरस्वती पॉलीटेक्निक में तीन मार्च को श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना ने रक्तदान करके 17वां स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान प्रतापगढ़ से निर्मल पाण्डेय रक्तदाता संस्थान व डा० कुसुम लता काउन्सलर जिला अस्पताल की टीम ने जिलाध्यक्ष विनोद सिहं,अमित सिहं,दीपेन्द्र सिंह, अशोक सिंह, अनूप सिहं,भुवनेश सिहं व आकाश कनवाल समेत दर्जनों करणी सैनिकों का लगभग तीस युनिट ब्लेड कलेक्ट किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिहं रघुवंशी के निर्देश पर स्वैच्छिक रक्तदान का शिविर राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के 17वें स्थापना दिवस पर जनहित सेवा के लिए लगाया गया।श्री सिहं ने कहा कि पिछले वर्ष भी करणी सैनिकों ने स्थापना दिवस पर रक्तदान किया था। आने वाले समय में भी जनहित में रक्तदान करता रहेगा। अक्सर देखने को मिलता है कि रक्त के अभाव में लोगों की जाने चली जाती है।लोग सोच बदले रक्तदान के लिए आगे आए जिससे किसी के भाई,बहन,बेटी या पिता की जान बचाने में मेरा खून काम आए।जनहित में कार्य करना ही करणी सेना का उद्देश्य है।

रक्तदान दिवस पर रक्तदान करते करणी सैनिक।

खबर संक्षेप

चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद मे लाकडाउन के दृष्टिगत सरकार द्वारा निर्गत निदेर्शों के अनुपालन के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार जनपद स्तर पर विभिन्न थानों द्वारा अनावश्यक रूप से बाहर घूमने मास्क न लगाने एव सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया चार पहिया वाहनों को चेक किया गया, जिनमें 60 वाहनों का ई चालान किया गया एवं 02 वाहनो चालान कर 1000 रुपये सम्मन शुल्क वसूला गया साथ ही बिना मास्क लगाये घूमने एवं सरकार द्वारा जारी गाइड लाइन का उल्लघन करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये एक व्यक्ति से 100 रुपये जुमार्ना वसूला गया।

हाथ बांध कर दो चचेरी बहनें गंगा में कूदी

एक की हुई मौत दूसरी गंभीर, महेश बाबा देवस्थान मेला देखने को निकली थी घर से दोनों बालिकाएं

नदी में डूबी बालिकाओं को निकालते मछुआरे

बालिका की मौत पर रोते बिलखते परिजन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के बहादुरपुर गांव के माजरा शरीफ पुर की दो चचेरी बहने बुधवार की रात्रि 8:00 बजे दुपट्टे से हाथ बांधकर गंगा नदी में कूद गई हैं जिससे नदी में डूब जाने से एक बहन की मौत हो गई और दूसरी बहन को लोगों ने बचा लिया बेहोशी हालत में दूसरी बालिका को अस्पताल में भर्ती कराया गया और मृतक बालिका के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनाक्रम के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के बहादुरपुर गांव के मजरा शरीफपुर की रीता देवी उम्र 22 वर्ष पुत्री राम भवन पासी और बीता देवी उम्र 21 वर्ष पुत्री जगपत पासी बुधवार की दोपहर गांव की तमाम महिला पुरुषों के साथ पड़ोसी गांव टेवा में महेश बाबा देवस्थान पर लगने वाले मेले में शामिल होने गयी थी बीता देवी की सगाई गोद भराई आदि की रस्म हो चुकी है उसका होने वाला पति टेवा मेले में मिलने आया था जहां बालिका से यह कहा गया कि वह शादी में एक लाख नगद और एक मोटरसाइकिल लेकर आएगी तभी उसे रखा जाएगा इस बात को लेकर होने वाले दूल्हे से बालिका का विवाद हुआ जिस पर आक्रोशित होकर दोनों चचेरी बहनों ने आत्महत्या करने की ठानी और दोनों बहने महेश बाबा मेला से निकलकर प्राइवेट साधन के सहारे कड़ा गंगा घाट पहुंची और हाथ में दुपट्टा बांध कर दोनों बहनो ने गंगा नदी में छलांग लगा दी नदी में डूब जाने से बीता देवी की मौत हो गई और बेहोशी हालत में रीता देवी को मछुआरों ने बाहर निकाला है मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई है सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची है घटना की जानकारी परिजनों को मिली रोते बिलखते परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए पुलिस में बीता देवी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा है।

न्यूज झरोखा

सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत ना की जाए ढिलाई : डीएम

स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर डीएम ने दिया निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने मण्डी समिति ओसा स्थित स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया इस दौरान ड्यूटी पर तैनात कर्मचारीगणों व वहां की व्यवस्था व रजिस्टर को चेक किया जिले की तीनों विधानसभा में हुए चुनाव की ईवीएम मशीनों को मंडी समिति ओसा परिसर के स्ट्रांग रूम में रखा गया है जिला अधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से बताया कि ईवीएम की सुरक्षा के लिए पुलिस के जवान व अर्धसैनिक बलों के जवानों की तैनाती की गई है स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है जिसमे डीएम ने सभी को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में ढिलाई न होने पाए लापरवाही बरतने वालो के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी इस मौके पर जिलाधिकारी सुजीत कुमार पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा पुलिस बल आदि लोग उपस्थित रहे।

धर्मा देवी की छात्रा हाईकोर्ट में बनी समीक्षा अधिकारी

प्रबंधक व प्रधानाचार्य ने छात्रा को दी बधाई

कौशांबी। धर्मा देवी इंटर कॉलेज केन कनवार में शिक्षा ग्रहण करने के बाद एक छात्रा हाईकोर्ट में समीक्षा अधिकारी के पद पर चयनित हुई है छात्रा की इस सफलता पर विद्यालय प्रबंधक राम किरण ने उन्हें बधाई दी है और छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की है। विद्यालय प्रबंध तंत्र ने बताया कि धर्मा देवी इण्टर कॉलेज केन कनवार कौशाम्बी से पारुल सिंह पुत्री स्वर्गीय गणेश सिंह निवासी केन ने 12वी तक की शिक्षा धर्मा देवी कॉलेज में ग्रहण की है और शिक्षा ग्रहण करने के बाद पारुल सिंह ने हाई कोर्ट में समीक्षा अधिकारी की परीक्षा दी परीक्षा के बाद पारुल सिंह हाईकोर्ट में समीक्षा अधिकारी के पद पर चयनित हो गयी है पारुल सिंह के चयनित होने पर विद्यालय के प्रबंधक और प्रधानाचार्य ने कहा कि एक शिक्षक के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण होता है जब उसका पढ़ाया विद्यार्थी उच्च पद पर चयनित होता है।

हत्या के अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा

अभियुक्त पर 55 हजार रुपये का अर्थदण्ड लगाया अर्थ दण्ड न देने पर भुगतना पड़ेगा 16 माह अतिरिक्त कारावास

कौशाम्बी। थाना महेवाघाट में पंजीकृत डीपी एक्ट के अभियुक्त अवधेश कुमार उर्फ बेटा निषाद पुत्र गोरेलाल निषाद निवासी महेवाघाट थाना महेवाघाट को न्यायालय एडीजे एफटीसी प्रथम द्वारा दोषी पाए जाने पर आजीवन कारावास व 55 हजार रुपये का अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थ दण्ड न देने पर 16 माह अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने बताया कि शासन की प्राथमिकता के आधार पर गम्भीर एवं जघन्य अपराधों में पैरवी कर अभियुक्तों को सजा दिलाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में प्रभावी पैरवी कराते हुए मानिटरिंग सेल के माध्यम से अभियुक्त गण को सजा दिलाई गई है।

सवर्ण विरोधी बसपा के नारे को साकार करने में लगे भाजपा सांसद

कौशाम्बी सांसद बिनोद सोनकर के दिलो दिमाग में आज भी सवर्णो के प्रति धधक रही है नफरत की आग, देश के प्रधानमंत्री की छवि खराब करने में लगे हैं कौशांबी सांसद विनोद सोनकर

कौशाम्बी। भाजपा सांसद कौशाम्बी बिनोद सोनकर ने विधानसभा चुनाव के बाद सवर्णो के प्रति भरी अपने दिल की नफरत को उजागर कर यह साबित कर दिया कि भाजपा भले सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास का नारा दे कल आम जनता का दिल जीतने की कोशिश कर रही हो लेकिन सांसद बिनोद सोनकर के दिल दिमाग में आज भी सवर्णो के प्रति नफरत की आग धधक रही है कभी बहुजन समाज पार्टी ने नारा दिया था कि तिलक तराजू और तलवार इनको मारो जूता चार उसी नारा को भाजपा सांसद साकार कर रहें हैं शायद बहुजन समाज पार्टी को खुश करने का काम करते हुए कौशांबी सांसद विनोद सोनकर भविष्य में अपना हित बहुजन समाज में समझ रहे हैं भाजपा से अगर कौशांबी सांसद विनोद सोनकर भगाऐ गये तो बहुजन समाज पार्टी उनके इस बयान से खुश होकर अपने दरवाजे सांसद के लिऐ खोल देगी सांसद इस बात को भूल रहे हैं कि अगर भाजपा के साथ ज्यादा तदाद में कोई है तो वह सवर्ण तबका है जिनमें ब्राह्मण ठाकुर बनिया ही हैं भला सांसद कौशांबी को ब्राह्मण ठाकुर बनिया के धर्म परिवर्तन का इतिहास कैसे ज्ञात हैं तो उनसे बडा इतिहास कार-ज्ञाता विद्वान शोध कर्ता कोई दूसरा भारत माता के धरती पर हो ऐसा नहीं लगता है । सवाल यह है कि क्या सांसद कौशांबी अपने शोध से यह भी बता सकते हैं कि पासी रविदास यादव पटेल मौर्य पाल पहले क्या थे और यह कौन थे और क्या बनें भारत की अनेक जातियों को छोड़ कर सिर्फ खटिक सोनकर उनकी जाति ही भारत की हितैषी और सिन्धु घाटी के सभ्यता से आदि मानव के समय से आज तक सिर्फ खटिक ही है क्या इसका पुख्ता सबूत सांसद के पास है?और अगर हैं तो अन्य जातियों पर टिप्पणी करने के बजाय अपनी जाति का इतिहास उन्हे रखना चाहिए और देश वासियों को बताना चाहिए कि भारत माता के स्वाधीनता में सबसे बडा इतिहास खटिक सोनकर का है ब्राह्मण समाज के पुरोधा संत राजेंद्र तिवारी बाबा ने कहा कि हमने तो आज तक कहीं नहीं पढा या सुना कि गुलाम भारत की आजादी में सोनकर ने कहीं बलिदान दिया उन्होंने कहा कि जबकि भारत देश की आजादी में ब्राह्मण ठाकुर बनिया के योगदान और बलिदान की गथाए पढ सुन चुके है यहाँ पर सांसद अपने मुख बस अपनी करनी-बार अनेक भाँति बहु बरनी की कथा कह कर सांसद सिर्फ अपनी जाति के हिमायती सांसद बनने का रास्ता चुना है जो भविष्य में उन्हे कॉटो भरी राह होगी यही नहीं जो सवर्णो में भाजपा में रहकर सवर्णो के प्रति घिनौनी राज नीति कर रहे हैं उसका खामियाजा उनके बदौलत भविष्य में भाजपा को भुगतना पड सकता हैं भाजपा के प्रति सवर्ण समाज में जो इज्जत है उसे तार तार करने में सांसद कौशांबी लगें हुए हैं जिससे साबित होता है कि सवर्णो को भाजपा से नाराज कर 2024 के पहले भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र दमोदर दास मोदी की छवि खराब करने में सांसद कौशांबी तुले हुए हैं वह यह भूल गयें है कि यह वही तिलक तराजू और तलवार है जो बहुजन समाज पार्टी के दिल्ली जानें का रास्ता रोकने का काम किया और उन्हे ज्ञान देने का काम किया जो आज जग जाहिर है ।जो किसी का सम्मान करना नहीं जानतें उन्हे हमेशा अपमानित होना पडता है और दो साल के बाद अगर ब्राह्मण ठाकुर बनिया समाज में तनिक भी पानी होगा तो सांसद कौशांबी विनोद कुमार सोनकर को उनके घर बाग में बैठाने का काम यही समाज करके दिखायेगा और समय आने पर इसी समाज के पैरों में पडकर अपनी लाज रखने की दुहाई देते नजर आयेंगे। चुनावी सभा में ठाकुर ब्राह्मण बनिया के प्रति किए गए कुठाराघात के बाद आज पूरे सवर्ण समाज में सांसद के प्रति काफी आक्रोष बना है जो स्वयं सांसद की देन हैं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रधानमंत्री को इनके बड बोले पन की बातों पर बिचार करना होगा और सवर्ण समाज के धर्म परिवर्तन के इतिहास कार-ज्ञाता विद्वान शोध कर्ता सांसद कौशांबी विनोद सोनकर के ऊपर कार्यवाही करना होगा अन्यथा यह तबका भाजपा से किनारा करने का काम करेगा और केवल खटिक सोनकर ही भाजपा को चलाने और जिताने का काम करेंगे आज सवर्ण समाज जाग चुका है और कथनी करनी के अंतर को सांसद ने समझा दिया है जो बीज सांसद कौशांबी ने चुनाव के बाद बोया है उसका फल अपनी बगिया ताक कर सांसद दो वर्ष के अंदर ही खायेंगे इस लिए अब इस बीज का पौधा अंकुरित हो गया हैं इसे बाग में लगाकर अभी से अभ्यास शुरू कर देवें ताकि उनका बाग की रखवाली का सपना साकार हो यह जनपद के उनके बयान से आहत सवर्ण समाज की आवाज हैं और अपनें मन और सम्मान के प्रति सवर्ण समाज सजग है।

सवर्ण समाज पर इस तरह की अभद्र टिप्पणी अशोभनीय : पूर्व मंत्री

पूर्व कद्दावर मंत्री मतेश चन्द्र सोनकर ने सांसद पर साधा निशाना, बोले ओछी हरकत, सोनकर सर्व समाज को साथ लेकर चलने में विश्वास करता है

कौशाम्बी। अक्सर विवादों से नाता जोड़ने वाले कौशाम्बी सांसद ने विशेष जातियों को लेकर टिप्पणी की थी जिसके बाद वे लगातार लोगों का आक्रोश झेल रहे है। ये कोई पहला मामला नही है इसके पहले भी कई बार अपनी टिप्पणी को लेकर विवादों में रहना व दूसरे दिन माफी मांगना उनकी राजनीति का पहलू रहा है। मालूम हो पिछले दिनों कौशाम्बी के भाजपा सांसद विनोद सोनकर ने ठाकुर ब्राह्मण व वैश्य समाज को लेकर घटिया टिप्पणी कर दी थी। जिसको लेकर वे उक्त समाज ही नही बल्कि पूर्व कद्दावर राज्य मंत्री मतेश चंद्र सोनकर के निशाने पर आ गए। हालांकि उन्होंने दूसरे दिन की गई टिप्पणी पर वीडियो जारी कर माफी भी मांगी। लेकिन लोगों का आक्रोश कम ही नही हो रहा है। मालूम हो कौशाम्बी सांसद विनोद सोनकर अपनी समाज की एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे उसी बीच उतावलेपन में उनके बोल बिगड़ गए जिसको लेकर कई समाज ने उनकी जमकर आलोचना की। वहीं लोकसभा चुनाव में उनके खिलाफ लामबंदी भी शुरू कर दी। इसी बीच पूर्व कद्दावर राज्य मंत्री रहे मतेश चंद्र सोनकर ने सांसद की टिप्पणी की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा सांसद द्वारा जाति एवं धर्मसूचक शब्दों का प्रयोग नही करनी चाहिए। सांसद को अपनी भाषा की मयार्दा को ध्यान में रखकर किसी भी धर्म को लेकर इस तरह की अभद्र टिप्पणी करना शोभनीय नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसे शब्दों की कड़ी निंदा करता हूँ। सोनकर समाज सर्वधर्म और सर्व समाज को लेकर चलने का काम करता है और उसी में विश्वास रखता है। पूर्व मंत्री ने कहा कि भाजपा सांसद कौशाम्बी के बेतुके बयान की मैं ही नही पूरा सोनकर समाज आलोचना करता है। उन्होंने आगे कहा अब उनको सत्ता का नशा चढ़ गया है जो अगले लोकसभा चुनाव में जनता इनको सबक सिखाकर ही रहेगी।

बस्ता के नाम से 70 साल से प्रत्याशियों द्वारा बांटे जा रहे लाखों की रकम!

मतदान के पूर्व आधी रात को बांटे जाने वाली लाखों की रकम में 70 साल बाद भी निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने नहीं लगाई रोक

कौशाम्बी। विधानसभा चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों द्वारा मतदान के पूर्व आधी रात को मतदान केंद्र के बाहर बस्ता लगाए जाने के नाम पर लाखों की रकम बांट दी जाती है लेकिन 70 साल से प्रत्याशियों के चल रहे इस खेल पर निर्वाचन आयोग के अधिकारी अभी तक अनजान बनने का विधवा विलाप कर रहे हैं आखिर कब तक मतदान की पूर्व संध्या पर प्रत्याशियों द्वारा बस्ता लगाने के नाम पर लाखों की रकम बाटी जाती रहेगी यह राज्य निर्वाचन आयोग की व्यवस्था पर बड़ा सवाल है कहने के लिए तो निर्वाचन आयोग के अधिकारी 2 महीने पहले से सड़क पर निकलने वाले व्यापारियों की रकम को यह कहकर सरकारी खजाने में जमा करा लेते हैं कि व्यापारी रकम लेकर मतदाताओं के बीच बांटने जा रहा है व्यापारियों के पास मिली रकम पर अधिकारियों का यह तर्क होता है कि यह रकम चुनाव में खर्च किया जाएगा जबकि हकीकत यह है कि प्रत्याशियों द्वारा मतदान की पूर्व संध्या पर लाखों की रकम कार्यकर्ताओं के घर पहुंचाई जाती है उसके पीछे यह तर्क दिया जाता है कि प्रत्याशी का बस्ता बूथ के बाहर जो लगाएगा उसे खर्च दिया जाएगा पहले यह रकम लाखों में बांटी जाती थी लेकिन धीरे-धीरे स्थिति यह हो गई है कि मतदान के पूर्व संध्या पर प्रत्यासी द्वारा 25 से 30 लाख की रकम बांट दी जाती है इतनी बड़ी रकम बांटे जाने के बाद भी निर्वाचन आयोग के अधिकारी अनजान है प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मतदान की पूर्व संध्या पर करोड़ों रुपए की रकम प्रत्याशी द्वारा बांटे जाने के मामले में निर्वाचन आयोग अनजान है। बताते चलें कि विधानसभा 2022 के चुनाव में भी कौशांबी जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र में राजनैतिक दल के प्रत्याशियों द्वारा प्रत्येक मतदान केंद्र के बाहर बस्ता लगाए जाने के नाम पर प्रत्येक मतदान केंद्र के बाहर बस्ता लगाने वाले व्यक्ति को तीन हजार रुपए प्रति व्यक्ति दिया गया है आंकड़ों पर जाएं तो आधी रात को करोड़ों की रकम बांट दी गई है आखिर कब तक प्रत्याशियों की अंधेर गर्दी चलती रहेगी और निर्वाचन आयोग निष्पक्ष चुनाव कराने का ढिंढोरा पीटता रहेगा यह व्यवस्था पर बड़ा सवाल है और निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को खुली आंखों से निष्पक्ष तरीके से लोकसभा विधानसभा चुनाव कराए जाने की जरूरत है।

किसानों के अधिकारों से उन्हें किया जा रहा वंचित

मंडी समिति ओसा के गेट पर बिचौलिए खरीद रहे हैं किसानों का 15 सौ रुपए कुंटल में धान

कौशांबी। मंडी समिति ओसा व्यापारी और किसान परिसर है और यहीं पर हॉट शाखा और मंडी समिति शाखा द्वारा किसानों के धान खरीद के लिए खरीद केंद्र बनाया गया है 7 मार्च तक धान खरीद के लिए शासन ने निर्देश दिया है लेकिन फिर भी धान खरीद बहाने से बंद कर दी गई है और बिचौलियों के लिए केंद्रों में गुपचुप धान खरीदे जा रहे हैं। व्यापारियों का यहां पर व्यापारी स्थल भी है। मंडी समिति के पीछे के हिस्से में विधानसभा चुनाव की मतगणना के लिए ईवीएम मशीन रख दी गई हैं लेकिन विधानसभा चुनाव को लेकर मंडी समिति ओसा परिसर के पीछे के क्षेत्र में ईवीएम मशीन रखने का स्थान बनाए जाने के बाद मंडी समिति के सुरक्षाकर्मियों ने व्यापारियों के प्रवेश पर तो रोक नहीं लगाई है लेकिन उपज लेकर पहुंचने वाले गरीब किसानों पर मंडी समित गेट पर रोक लगा दी गई है जबकि मंडी समिति परिसर में पूरे दिन सैकड़ों व्यापारी मौजूद है लेकिन फिर किसानों के पहुंचने में कैसा खतरा प्रशासन महसूस कर रहा है स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को लेकर मंडी समिति में किसानों को उपज लेकर प्रवेश पर गेट के सुरक्षाकर्मियों द्वारा रोक लगा दी गई है जिससे किसानों को अपनी उपज बेचने में दिक्कत हो रही है इसका सीधा लाभ बिचौलिए उठा रहे हैं। और मंडी गेट पर 15 सो रुपए कुंतल किसानों का धान बिचौलिए खरीद रहे हैं ।

15 दिन बीते मोबाइल लुटेरे को नहीं गिरफ्तार कर सकी पुलिस

कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के तिल्हापुर मोड़ बाजार से 17 फरवरी को दिन दहाड़े सब्जी खरीदने आए राम बाबू केसरवानी पत्रकार का मोबाइल छीन कर लुटेरे फरार हो गए भीड़ भरे बाजार में दिनदहाड़े मोबाइल लूट की घटना से बाजार में हड़कंप मच गया मामले की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को रामबाबू ने दिया घटना को 15 दिन बीत गए हैं थाना पुलिस ने ना तो मोबाइल बरामद किया है और ना ही मोबाइल लुटेरों को पुलिस गिरफ्तार कर सकी है इसके पहले भी तमाम मोबाइल की लूट हुई है लेकिन खुलासे के नाम पर पुलिस थोक भाव मे लावारिस हालत में मोबाइल तो बरामद कर लेती है जैसे पुलिस को लूट के मोबाइल सड़क पर पड़े मिल जाते हैं लेकिन मोबाइल लूट करने वाले गिरोह के सदस्यों को पुलिस गिरफ्तार नही करती है उनसे पुलिस लेनदेन कर उन्हें बाइज्जत बरी कर देती है जिससे मोबाइल लूट करने वाले गिरोह के सदस्यों के हौसले बढ़े हैं और आए दिन मोबाइल लूट की घटनाएं होती हैं पूर्व में लावारिस मोबाइल की बरामदगी थोक में पुलिस दो बार कर चुकी है लावारिस हालत में बरामद मोबाइल के दो खुलासे के मामले को यदि पुलिस अधिकारियों ने जांच कराई तो मोबाइल बरामद करने वाली पुलिस टीम पर भी कार्यवाही होना तय है और मोबाइल लूट करने वाले गिरोह के सदस्यों का भी जेल जाना तय है।

चिकित्सक की लापरवाही से इलाज में फिर मरीज की हुई मौत

गणेश हॉस्पिटल में तीन मरीजों की एक महीने के बीच मौत के मामले में अभी तक स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई नहीं की

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। तहसील चायल के गिरिया खालसा गांव के एक निजी नर्सिंग होम में मरीजों के इलाज में मौत का मामला नहीं रुक रहा है दर्जनों मरीजों की मौत डॉक्टरों की लापरवाही के चलते हो चुकी है गुरुवार को फिर तहसील चायल के गिरिया खालसा के पास स्थित संगम पाली क्लीनिक के कथित चिकित्सक की लापरवाही के चलते इलाज के दौरान मरीज की मौत हो गयी है चिकित्सक की लापरवाही से प्रत्येक महीने निजी नर्सिंग होम में दर्जनों मरीजों की मौत हो रही है लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी गंभीर नहीं है और जिले में अवैध तरीके से कम पढ़े लिखे लोगों द्वारा इलाज के नाम पर मरीजों की मौत को स्वास्थ्य विभाग गम्भीरता से नहीं ले रहा है तिल्हापुर मोड़ स्थित गणेश हॉस्पिटल में तीन मरीजों की एक महीने के बीच मौत के मामले में भी अभी तक स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई नहीं की है यही स्थिति संगम पाली क्लीनिक गिरिया खालसा का है इस अस्पताल में पहले भी मरीजों को मौत हो चुकी है और गुरुवार को फिर एक बार लापरवाह चिकित्सको के चलते इलाज के दौरान मरीज की मौत हो गई है मामूली मर्ज पर मरीज के परिजनों से पचास हजार अस्पताल संचालक द्वारा जमा करा लिया गया है लेकिन फिर भी मरीज की जान नहीं बच सकी है चिकित्सक की लापरवाही से मरीज की मौत हो गई गुरुवार को इलाज के दौरान मरीज की मौत पर डॉक्टर पर हत्या का आरोप लगाते हुए जिले में लगातार लापरवाही से मौत के मामले में शासन प्रशासन को एक मामले गंभीरता से लेने होंगे वरना इसी तरह अधिक कमाई के चक्कर में निजी नर्सिंग होम के चिकित्सक मरीजों को मौत देते रहेंगे मृतक मरीज चायल तहसील क्षेत्र के बलीपुर टाटा गांव का जय सिंह यादव उम्र 38 वर्ष पुत्र स्व. राम सुमेर यादव बताया जाता है।

अस्पताल में मौजूद दो तिहाई लोगों के पास नहीं है डिग्री

कौशांबी। चायल तहसील गिरिया खालसा स्थित संगम पाली क्लीनिक में मरीज के मौत के बाद जब इस अस्पताल की पड़ताल की गई तो इस अस्पताल में फार्मासिस्ट नर्स और वार्ड ब्वॉय के पास मरीजों की देखभाल इलाज करने की डिग्री नहीं है अस्पताल में जिन डॉक्टरों का बोर्ड लगा है वह आते नहीं है और जो डॉक्टर इलाज करते देखे जाते हैं उनके पास डिग्री नहीं है कुछ चिकित्सक तो केवल खानापूर्ति करते हैं वार्ड व्याय नर्स और फार्मासिस्ट मरीजों का पूरा इलाज करते हैं जिसके चलते गलत उपचार से मरीजों की इस अस्पताल में मौत होती है।

हर्निया हाइड्रोसील का हुआ था आपरेशन

कौशाम्बी। संगम पाली क्लीनिक गिरिया खालसा में जयसिंह का हर्निया का ऑपरेशन हुआ था ऑपरेशन करने के बाद डॉक्टर ने जवाब दे दिया कि हमारे बस का नहीं है कहीं बाहर ले जाओ परिजनों ने आनन फानन में शहर के नारायण स्वरूप अस्पताल में भर्ती कराया वहां डॉ राजीव सिंह ने बताया कि इसकी हालत काफी बिगड़ चुकी है बचने की कोई उम्मीद नहीं है भर्ती कराने के लगभग 6 घंटे बाद डॉक्टर ने जयसिंह को मृत घोषित कर दिया मृतक के एक लड़की दो लड़के है लड़की 7 साल की है और लड़का की उम्र लगभग 6 साल वा 4 साल है परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

सोलर पंप बोरिंग में घोटाले ही घोटाले....

ग्रामीणों ने कई बार अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत चरवा से शिकायत की लेकिन वह धृतराष्ट्र बने हैं

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चायल तहसील के नगर पंचायत चरवा में सरकार द्वारा 12 सोलर पम्प लगाए जाने की स्वीकृति दी है लेकिन सोलर पंप के लगाए जाने में अधिशासी अधिकारी और ठेकेदारों की सांठगांठ से घोटाले ही घोटाले हो रहे हैं ग्रामीणों ने घटिया क्वालिटी के सोलर पंप बनाए जाने का विरोध शुरू कर दिया है और अधिकारियों को शिकायत कर मानक के अनुसार सोलर पंप लगाए जाने की मांग की है ग्रामीणों ने बताया कि नगर पंचायत चरवा मदुकी बहादुर पुर में लग रहे सोलर पंप की सफाई कंप्रेशन मशीन से करने के बजाय मोटर से सफाई की जा रही है जिससे बोरिंग की पूर्ण सफाई नहीं हो सकी है ग्रामीणों ने कहा कि मानक के बजाए घटिया

सोलर पंप में लगाया जा रहा है घटिया क्वालिटी का पाइप

क्वालिटी का पाइप का प्रयोग किया जा रहा है।सरकार द्वारा 85500 रुपए एक हैंडपंप बोर का दिया जाता है। ठेकेदार घटिया सामग्री लगाकर 40000 रुपए में हैंडपंप बोरिंग कर लीपापोती करने में लगे है ग्रामीणों ने कई बार अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत चरवा से शिकायत की लेकिन वह धृतराष्ट्र बने हैं। नगर पंचायत चरवा के मदूकी बहादुर पुर में ठेकेदार मानक के विपरीत काम करा रहे है सोलर पंप के कमरे के निर्माण में दोयम दर्जे की ईंट का प्रयोग किया जा रहा है और सोलर पम्प का कमरा भी मानक से छोटा बनाया जा रहा है नगर पंचायत के कर्मियों की बातों को मानें तो 10 फिट गुणे 10 फिट का बनाए जाने का नियम है परंतु अधिषासी अधिकारी की साठगांठ से ठेकेदार मानक से छोटा 6 फिट गुणे 6 फिट का कमरा ही तैयार कर रहे हैं। नगर पंचायत में सोलर पंप लगाए जाने के नाम पर सरकारी खजाना लूटने में लगे ठेकेदारों के कारनामे पर चुप्पी साधने वाले अधिशासी अधिकारी के कृत्य पर जांच हुई तो ठेकेदार और अधिषासी अधिकारी दोनों पर सरकारी धन की हेराफेरी का आरोप लग सकता है लेकिन क्या आला अधिकारी सरकारी खजाना ठेकेदार के सहयोग से लूटने में लगे अधिषासी अधिकारी के कारनामों को संज्ञान लेकर मुकदमा दर्ज कर अधिकारियों से घोटाले की रकम की रिकवरी कराते हुए इन्हें निलंबित करेंगे या फिर सब कुछ अंधेर नगरी नगरी चौपट राजा की तरह नगर पंचायत चरवा में चलता रहेगा यह वर्तमान व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

एक महीने बीते विवाहिता पर हमला करने वाले नहीं हुए गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के चक शहाबुद्दीनपुर की विवाहिता रीता देवी पत्नी चुन्नू धोबी को गांव के 4 दबंगों ने मिलकर 4 फरवरी की सुबह मारपीट कर लहूलुहान कर दिया था मामले की तहरीर रीता की मां कुसुम देवी ने करारी थाना पुलिस को दिया जिस पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 030 सन 2022 में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी मुकदमे के अनुसार आरोपी धनराज सिंह बलराज सिंह वंशराज सिंह हंसराज सिंह पुत्रगण मेवालाल यादव ने मामूली बात पर विवाहिता पर प्राणघातक हमला किया है मुकदमा दर्ज होने के बाद कुछ दिनों तक तो हमलावर फरार रहे लेकिन फिर हमलावर खुलेआम घूम रहे हैं और सुलह समझौते का दबाव विवाहिता पर बना रहे हैं एक महीने बीत जाने के बाद भी विवाहिता पर प्राणघातक हमला करने वाले दबंग हमलावरों की गिरफ्तारी न किए जाने से करारी पुलिस की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी आए दिन लोगों के साथ मारपीट गाली-गलौज आतंक करते हैं और इलाके में इनका आतंक है लेकिन करारी थाना पुलिस के संरक्षण के चलते पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाता है पीड़ित परिजनों ने पुलिस अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

इलाके में दबंगो का आतंक, करारी थाना पुलिस के संरक्षण के चलते पीड़ितों को नहीं मिल पाता न्याय, मुकदमा दर्ज होने के बाद फरार थे आरोपी, पुलिस से सांठगांठ कर फिर खुलेआम घूम रहे हैं

हमले में घायल विवाहिता

संपादकीय

यूक्रेन के लिए मुश्किलों का दौर

रूस-यूक्रेन युद्ध की तस्वीर अब साफ है। रूस को लगता है कि उसने यूक्रेन को उसकी मर्जी करने लायक रखा तो वह नाटो खेमे का हिस्सा हो जाएगा। इससे रूस की सीमाओं तक नाटो देश आसानी से पहुंच जाया करेंगे। अमेरिकी अड्डे पहले से ही उसके लिए चिंता के कारण हैं। इस बीच तमाम उतार-चढ़ाव के बीच यूक्रेन का नाटो में होना भी तय हो चुका है। यह अलग बात है कि वह अपने बचे हुए कितने भू-भाग के साथ वहां होगा। ऐसा कहते समय लग सकता है कि अभी से रूस की जीत और यूक्रेन की बदहाली का जिक्र हो रहा है। इसे स्पष्ट करने के लिए बताना होगा कि रूस अपने प्रतिद्वंद्वी यूक्रेन के हिस्सों, दोनेत्स्क और लुहांस्क को न सिर्फ आजाद करा चुका है, इन दोनों हिस्सों को सीरिया और निकारगुआ ने स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता भी दे दी है। यूक्रेन के इन दोनों पुराने हिस्सों में रूसी मूल के लोग बहुतायत में हैं। ठीक उसी तरह, जिस तरह पाकिस्तान के पुराने हिस्से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में बंगाली समुदाय के लोग हैं। सवाल बना रहेगा कि आज युद्ध बंद हो जाए तो दोनेत्स्क और लुहांस्क पूर्ववत रूस का हिस्सा बन जाएंगे। यह मुमकिन नहीं लगता। बांग्लादेश की तरह वे भी देश बन ही जाएंगे और रूस के बहुत अनुकूल नहीं, तो यूक्रेन के लिए मुश्किल के सबब बनते रहेंगे। भविष्य में रूसी राष्ट्रपति अपने लोगों को राष्ट्र का हवाला देकर शायद अनुकूल भी कर लें। रूस इस युद्ध में विजेता ही है, यह कहना भी आसान नहीं है। दोनेत्स्क और लुहांस्क की कीमत पर उसे बहुत कुछ गंवाना भी पड़ा है। अमेरिका सहित कई देशों में उसके बैंक के ऊपर प्रतिबंध है। देश के तौर पर रूस और स्वयं रूसी राष्ट्रपति के खाते सीज कर दिए गए हैं। अब तो अमेरिका ने अपने हवाई क्षेत्र से रूसी जहाजों के गुजरने पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। यह भविष्य में रूसी व्यापार और राजनय, दोनों के लिए कष्टदायक होने वाला है। यानी सीमाओं की सुरक्षा को कुछ हद तक मजबूत करने के साथ रूस आर्थिक तौर पर भारी नुकसान की स्थिति में है। इस युद्ध का एक और सच है, जो रूस के लिए कटु बनता जा रहा है। अमेरिकी प्रस्ताव पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने देश से बाहर सुरक्षित निकल आने की जगह लड़ने का फैसला किया। जेलेंस्की ने अमेरिका के बहाने युद्ध विरोधी सभी शक्तियों से कहा कि यूक्रेन हमारा देश है, मैं अपने देश में हूं। दूसरी ओर रूस हमलावर है और इस युद्ध में किसी को यूक्रेन की मदद करनी ही है, तो हमें हथियार दे। यूक्रेनी राष्ट्रपति के इस रणनीतिक बयान ने यूक्रेनी जनता में अजीब जोश भर दिया। वे सड़कों-गलियों में आकर सशस्त्र रूसी सेना का प्रतिरोध करने लगे हैं। दूसरी ओर राष्ट्रपति ने शुभचिंतकों से जिसकी उम्मीद की, वह हथियार भी कम बड़ा मुद्दा नहीं है। यूक्रेन को मिलने वाले हथियार और आर्थिक मदद की ताजा अमेरिकी मदद किन शर्तों पर है, यह भी देखना होगा। हथियार बेचने का अमेरिकी इतिहास स्थापित सत्य है। अमेरिका ही नहीं, युद्ध में लगे दोनों देशों के अतिरिक्त कोई अन्य देश अपना कुछ भी गंवाने वाला नहीं है। डर यह है कि यूक्रेन भी अफगानिस्तान की तरह नया संघर्ष क्षेत्र न बन जाए। यूक्रेन समर्पण के मूड में नहीं है। इधर एक अनुमान के मुताबिक, इस युद्ध में रूस के हर दिन 20 अरब डॉलर खर्च हो रहे हैं। रूस के अंदर भी भले युद्ध विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं, पर रूसी सेना का जल्द वहां लौटना आसान नहीं लगता।

श्री रामकृष्ण परमहंसः एक महान समाज सुधारक

ललित

श्री रामकृष्ण परमहंस की भक्ति एवं साधना ने हजारों-लाखों को भक्ति-साधना के मार्ग पर अग्रसर किया। उनके जादुई हाथों के स्पर्श ने न जाने कितने व्यक्तियों में नयी चेतना का संचार हुआ, उन जैसे आत्मद्रष्टा ऋषि के उपदेशों का अचिन्त्य प्रभाव असंख्य व्यक्तियों के जीवन पर पड़ा। उनके प्रेरक जीवन ने अनेकों की दिशा का रूपान्तरण किया। उनकी पावन सन्निधि भक्ति, साधना एवं परोपकार की नयी किरणें बिखेरती रही अतः वे साधक ही नहीं, साधकों के महानायक थे। वे ब्रह्मर्षि और देवर्षि थे- साधना-भक्ति के नये-नये प्रयोगों का आविष्कार किया इसलिये ब्रह्मर्षि और ज्ञान का प्रकाश बांटते रहे इसलिये देवर्षि। श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म अंग्रेजी दिनांक 18 फरवरी 1836 हिन्दी तिथि फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को बंगाल प्रांत के हुगली जिले के कामारपुकुर ग्राम में हुआ था

प्राचीनकाल से ही भारत की रत्नगर्भा वसुंधरा माटी में ऐसे कई संत और महान व्यक्ति हुए है जिन्हें उनके कर्म, ज्ञान और महानता के लिए आज भी याद किया जाता है। जिन्होंने अपने व्यक्तित्व और कर्तृत्व से न सिर्फ स्वयं को प्रतिष्ठित किया वरन् उनके अवतरण से समग्र विश्व मानवता धन्य हुई है। इसी संतपुरुषों, गुरुओं एवं महामनीषियों की श्रृंखला में एक महापुरुष हैं श्री रामकृष्ण परमहंस। वे एक महान संत, शक्ति साधक तथा समाज सुधारक थे। इन्होंने अपना सारा जीवन निःस्वार्थभाव से मानव सेवा के लिये व्यतीत किया, इनके विचारों का न केवल कोलकाता बल्कि समूचे राष्ट्र के बुद्धिजीवियों पर गहरा सकारात्मक असर पड़ा तथा वे सभी इन्हीं की राह पर चल पड़े। श्री रामकृष्ण परमहंस युग के साथ बहे नहीं, युग को अपने बहाव के साथ ले चले। उनका जीवन साधनामय था और जन-जन को वे साधना की पगडंडी पर ले चले, प्रकाश स्तंभ की तरह उन्हें जीवन पथ का निर्देशन दिया एवं प्रेरणास्रोत बने। जिन्होंने अपने व्यक्तित्व और कर्तृत्व से न सिर्फ स्वयं को प्रतिष्ठित किया वरन् उनके अवतरण से समग्र विश्व मानवता धन्य हुई है। भारत का जन-जन श्री रामकृष्ण परमहंस की परमहंसी साधना का साक्षी है, उनकी गहन तपस्या के परमाणुओं से अभिषिक्त है यहां की माटी और धन्य है यहां की हवाएं जो इस भक्ति और साधना के शिखरपुरुष के योग से आप्लावित है। संसार के पूर्णत्व को जो महापुरुष प्राप्त हुए हैं, उन इने-गिने व्यक्तियों में वे एक थे। उनका जीवन ज्ञानयोग, कर्मयोग एवं भक्तियोग का समन्वय था। उन्होंने हर इंसान को भाग्य की रेखाएं स्वयं निर्मित करने की जागृत प्रेरणा दी। स्वयं की अनन्त शक्तियों पर भरोसा और आस्था जागृत की। अध्यात्म और संस्कृति के वे प्रतीकपुरुष हैं। जिन्होंने एक नया जीवन-दर्शन दिया, जीने की कला सिखलाई। श्री रामकृष्ण परमहंस का बचपन का नाम गदाधर चट्टोपाध्याय था। इन्होंने सभी धर्मों और जातियों की एकता तथा समानता हेतु जीवनभर कार्य किया, परिणामस्वरूप इन्हें राम-कृष्ण नाम सर्व साधारण द्वारा दिया गया एवं इनके उदार विचार एवं व्यापक सोच जो सभी के प्रति समभाव रखते थे, के कारण परमहंस की उपाधि प्राप्त हुई। बचपन से ही इनकी ईश्वर पर अडिग आस्था थी, ईश्वर के अस्तित्व को समस्त तत्वों में मानते थे तथा ईश्वर के प्राप्ति हेतु इन्होंने कठोर साधना भी की, ईश्वर प्राप्ति को ही सबसे बड़ा धन मानते थे।

श्री रामकृष्ण परमहंस भारतीय पुनर्जागरण के अग्रदूतों में प्रमुख हैं। उनको दृढ़ विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं और यही वजह है कि उन्होंने ईश्वर की प्राप्ति के लिए भक्ति का मार्ग अपनाया और कठोर साधना की। वह मानवता के पुजारी थे और उनका दृष्टान्त था कि ईश्वर तक पहुंचने के रास्ते अलग-अलग हैं, लेकिन परमपिता परमेश्वर एक ही है। उन्होंने सभी धर्मों को एक माना तथा ईश्वर प्राप्ति हेतु केवल अलग-अलग मार्ग सिद्ध किया। वे माँ काली के परम भक्त थे, अपने दो गुरुओं योगेश्वरी भैरवी तथा तोतापुरी के सान्निध्य में इन्होंने सिद्धि प्राप्त की, ईश्वर के साक्षात दर्शन हेतु कठिन तप किया एवं सफल हुए। इन्होंने मुस्लिम तथा ईसाई धर्म की भी साधनाएँ की और सभी में एक ही ईश्वर को देखा।

श्री रामकृष्ण परमहंस की भक्ति एवं साधना ने हजारों-लाखों को भक्ति-साधना के मार्ग पर अग्रसर किया। उनके जादुई हाथों के स्पर्श ने न जाने कितने व्यक्तियों में नयी चेतना का संचार हुआ, उन जैसे आत्मद्रष्टा ऋषि के उपदेशों का अचिन्त्य प्रभाव असंख्य व्यक्तियों के जीवन पर पड़ा। उनके प्रेरक जीवन ने अनेकों की दिशा का रूपान्तरण किया। उनकी पावन सन्निधि भक्ति, साधना एवं परोपकार की नयी किरणें बिखेरती रही अतः वे साधक ही नहीं, साधकों के महानायक थे। वे ब्रह्मर्षि और देवर्षि थे- साधना-भक्ति के नये-नये प्रयोगों का आविष्कार किया इसलिये ब्रह्मर्षि और ज्ञान का प्रकाश बांटते रहे इसलिये देवर्षि।

श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म अंग्रेजी दिनांक 18 फरवरी 1836 हिन्दी तिथि फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को बंगाल प्रांत के हुगली जिले के कामारपुकुर ग्राम में हुआ था। इस वर्ष यह तिथि 4 मार्च, 2022 को है। इनके पिताजी का नाम खुदीराम चट्टोपाध्याय तथा माता का नाम चंद्रमणि देवी था। गदाधर के जन्म के पहले ही उनके माता-पिता को कुछ अलौकिक लक्षणों का अनुभव होने लगा था, जिसके अनुसार वे यह समझ गए थे कि कुछ शुभ होने वाला हैं। इनके पिता ने सपने में भगवान विष्णु को अपने घर में जन्म लेते हुए देखा तथा माता को शिव मंदिर में ऐसा प्रतीत हुआ कि एक तीव्र प्रकाश इनके गर्भ में प्रवेश कर रहा हैं। बाल्यकाल, यानी 7 वर्ष की अल्पायु में इनके पिता का देहांत हो गया तथा परिवार के सम्मुख आर्थिक संकट प्रकट हुआ, परन्तु इन्होंने कभी हार नहीं मानी।श्री रामकृष्ण परमहंस सिद्ध संतपुरुष थे, सिद्धि प्राप्ति के पश्चात, उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैली तथा बहुत से बुद्धिजीवी, संन्यासी एवं सामान्य वर्ग के लोग उनके संसर्ग हेतु दक्षिणेश्वर काली मंदिर आने लगे। सभी के प्रति उनका स्वभाव बड़ा ही कोमल था, सभी वर्गों तथा धर्मों के लोगों को वे एक सामान ही समझते थे। वास्तव में ऐसा कुछ भी नहीं होता था जो परमहंसजी नहीं जान पाते थे, माँ काली की कृपा से वे त्रिकालदर्शी महापुरुष बन गए थे। रूढ़िवादी परम्पराओं का त्याग कर, उन्होंने समाज सुधार में अपना अमूल्य योगदान दिया। ईश्वरचंद्र विद्यासागर, विजयकृष्ण गोस्वामी, केशवचन्द्र सेन जैसे बंगाल के शीर्ष विचारक उनसे प्रेरणा प्राप्त करते थे। इसी श्रेणी में स्वामी विवेकानंद उनके प्रमुख शिष्य थे, उनके विचारों तथा भावनाओं का स्वामीजी ने सम्पूर्ण विश्व में प्रचार किया तथा हिन्दू सभ्यता तथा संस्कृति की अतुलनीय परम्परा को प्रस्तुत किया। स्वामीजी ने परमहंस जी के मृत्यु के पश्चात रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जो सम्पूर्ण विश्व में समाज सेवा, शिक्षा, योग, हिन्दू दर्शन पर आधारित कार्यों में संलग्न रहती हैं तथा प्रचार करती हैं, इनका मुख्यालय बेलूर, पश्चिम बंगाल में हैं। रामकृष्ण परमहंस, ठाकुर नाम से जाने जाने लगे थे, बंगाली में ठाकुर शब्द का अभिप्राय ईश्वर होता हैं, सभी उन्हें इसी नाम से पुकारने लगे थे। श्री रामकृष्ण परमहंस ने अपना ज्यादातर जीवन एक परम भक्त की तरह बिताया। वे काली के परम भक्त थे। उनके लिए काली कोई देवी नहीं थीं, वह एक जीवित हकीकत थी। काली उनके सामने नाचती थीं, उनके हाथों से खाती थीं, उनके बुलाने पर आती थीं और उन्हें आनंदविभोर छोड़ जाती थीं। ऐसी चमत्कारी एवं अविस्मरणीय घटनाएं उनके साथ अक्सर घटित होती थी। जब उनके भीतर भक्ति प्रबल होतीं, तो वे आनंदविभोर हो जाते और नाचना-गाना शुरू कर देते। जब वह थोड़े मंद होते और काली से उनका संपर्क टूट जाता, तो वह किसी शिशु की तरह रोना शुरू कर देते। उनकी चेतना इतनी ठोस थी कि वह जिस रूप की इच्छा करते थे, वह उनके लिए एक हकीकत बन जाती थी। इस स्थिति में होना किसी भी इंसान के लिए बहुत ही सुखद होता है। हालांकि उनका शरीर, मन और भावनाएं परमानंद से सराबोर थे, मगर उनका अस्तित्व इस परमानंद से परे जाने के लिए बेकरार था। उनके अंदर कहीं-न -कहीं एक जागरूकता थी कि यह परमानंद अपने आप में एक बंधन है। श्री रामकृष्ण परमहंस के अनुयायियों और शिष्यों में नाटकों के निर्देशक गिरीश चन्द्र घोष भी थे, उनके प्रति आघात स्नेह था। यही कारण है कि गिरीश की सब कुछ- तकलीफें और परेशानियां उन्होंने अपने ऊपर ले ली थी। इसी में उसके गले का रोग भी शामिल था, परिणामस्वरूप इनके गले में कर्क रोग हुआ तथा इसी रोग से इनकी मृत्यु हुई। स्वामी विवेकानंद चिकित्सा कराते रहे परन्तु किसी भी प्रकार की चिकित्सा का उनके रोग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

अंततः 16 अगस्त 1886 की भोर होने से पहले ब्रह्म-मुहूर्त में इन्होंने महा-समाधि ली या कहे तो पंच तत्व के इस शरीर का त्याग कर ब्रह्म में विलीन हो गए। सचमुच उन्होंने अपने प्रत्येक क्षण को जिस चैतन्य, प्रकाश एवं अलौकिकता के साथ जीया, वह भारती

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को भी संजीवनी मान रही भाजपा

डॉ. सौरभ मालवीय

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को भी अपने लिए संजीवनी मान रही है। योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का जितना विकास हुआ है, उतना विकास न तो मायावती के शासनकाल में हुआ और न अखिलेश यादव के शासनकाल में ही हुआ। कोरोना महामारी के दौरान जब प्रायः सभी राज्यों ने कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए पूर्ण तालाबंदी लगाकर सामान्य गतिविधियों को ठप कर दिया, जिससे साधारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया, जबकि उत्तर प्रदेश ने कोरोना कर्फ्यू की नीति को लागू किया। उत्तर प्रदेश सरकार की दूरदर्शिता के कारण जीवन और जीविका दोनों को सुरक्षित एवं संरक्षित रखा गया। सरकार द्वारा लागू इस अभिनव व्यवस्था में चिकित्सा जैसी अति आवश्यक गतिविधियों के साथ-साथ किराना की दुकानों, दुग्ध डेयरियों, फल-सब्जी, औद्योगिक इकाइयों, शीतगृहों, कृषि कार्य, निर्माण कार्य, खाद-बीज की दुकानों, खेतबाड़ी से जुड़े कार्य, गेहूं-धान व अन्य कृषि उत्पादों के क्रय केंद्रों आदि का संचालन जारी रखा गया। कोरोना कर्फ्यू के बीच गेहूं खरीद में तो रिकॉर्ड भी बना। लोगों के आवश्यक आवागमन पर भी कोई रोक नहीं थी। विशेष परिस्थितियों के लिए ई-पास की सुविधा दी गई। राज्य के भीतर राज्य परिवहन निगम की बसें भी संचालित होती रहीं, ताकि नागरिकों को आवश्यकता पर आवागमन में समस्या न हो। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश का रिकवरी दर देश में सबसे अच्छा है। यह प्रदेश सबसे कम पॉजिटिविटी दर वाले राज्यों में सम्मिलित है। निःसंदेह उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी है। राज्य में सभी चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। आयुष चिकित्सा प्रणाली पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पिछले वर्ष गोरखपुर के भटहट ब्लॉक के पिपरी तलकुलहा में आयुष विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया था। इस विश्वविद्यालय का नामकरण महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय रखा गया है। यह उत्तर प्रदेश का पहला आयुष विश्वविद्यालय होगा। इस विश्वविद्यालय परिसर में आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा का एक उत्कृष्ट श्रेणी का शोध संस्थान भी स्थापित किया जाएगा, जिसमें अन्तर्विभागीय चिकित्सा पद्धतियों का पारस्परिक समन्वय करते हुए शोध कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा। 52 एकड़ भूमि पर बनने वाले इस आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण पर 300 करोड़ रुपये खर्च होंगे। आयुष विश्वविद्यालय का वास्तुशिल्प भारतीय संस्कृति के अनुरूप मनोहारी होगा। इसके परिसर में एकेडमिक भवन, प्रशासनिक भवन, आवासीय भवन, छात्रावास, अतिथि गृह के अतिरिक्त ऑडिटोरियम और सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक भी बनाया जाएगा। इस विश्वविद्यालय से राज्य में संचालित समस्त आयुष, आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, योग व प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान और महाविद्यालयों एवं शिक्षा संस्थानों को जोड़ा जाएगा। आयुष महाविद्यालयों की प्रवेश प्रक्रिया, सत्र-नियमन, परीक्षा-संचालन व परिणाम में एकरूपता स्थापित होगी। इस विश्वविद्यालय में पैरामेडिकल, नर्सिंग, फॉर्मेसी एवं आरोग्यता से जुड़े सभी पाठ्यक्रमों के निर्माण एवं अध्ययन, अध्यापन, शोध की व्यवस्था होगी। इस विश्वविद्यालय द्वारा योग, आयुर्वेद, चिकित्सा शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कृषि शिक्षा, कौशल विकास, उच्चस्तरीय शोध आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त इसके परिसर में आधुनिक चिकित्सा पद्धति एलोपैथी की सभी विधाओं से आरोग्यता प्राप्त करने हेतु जांच, परामर्श एवं उपचार तथा अध्ययन, अध्यापन व शोध के लिए उत्कृष्ट चिकित्सा संस्थान स्थापित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि हठयोग, राजयोग या मंत्रयोग समेत योग की जितनी भी विशिष्ट विधाएं हैं, उन सभी अलग-अलग व्यवहारिक स्वरूपों के जनक महायोगी गुरु गोरखनाथ ही माने जाते हैं। आयुर्वेद में 'रस शास्त्र' और धातु सिद्धांत में 'इमरजेंसी मेडिसिन' के जनक भी गुरु गोरखनाथ ही माने जाते हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश अग्रणी है। पिछले चार वर्षों की समयावधि में राज्य में एक करोड़ 18 लाख गरीब परिवारों को छह करोड़ 47 लाख लोगों को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवर प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा कोष का गठन किया गया।

अभिव्यक्ति

सावधान, चुनाव बाद फिर बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

नरविजय यादव

दुनिया में तेल के दाम 100 डॉलर प्रति बैरल हो गए हैं, जिसके कारण पेट्रोल के प्रति लीटर दामों में 9 रुपए का अंतर पैदा हो गया है। इस गैप को भरने के लिए भारत सरकार को राज्यों के चुनाव निबटते ही, यानी अगले हफ्ते से देश में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाने होंगे। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम यकायक बढ़ने की एक वजह रूस का यूक्रेन पर फौजी हमला है। तेल बाजार को डर है कि इस युद्ध के कारण अथवा पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों के कारण रूस से तेल व गैस की आपूर्ति रुक सकती है। बताते चलें कि रूस कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का एक बड़ा सप्लायर है। रूस यूरोपीय देशों की एक तिहाई तेल व गैस की जरूरतें पूरी करता आया है और यह आपूर्ति जिन पाइप लाइनों के जरिए होती रही है, वे यूक्रेन से होकर गुजरती हैं। इसके अलावा रूस अंतर्राष्ट्रीय बाजार की कुल आवश्यकता का 10 प्रतिशत हिस्सा संभालता आया है। हालांकि, भारत तेल व कोयले के कुल आयात का 1-2 प्रतिशत हिस्सा ही रूस से खरीदता है। इसलिए भारत को तेल की आपूर्ति की चिंता नहीं है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल के दामों से जरूर इसकी चिंता बढ़ गई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल व गैस को लेकर इस तरह की चिंता 2014 के बाद पहली बार महसूस की जा

रही है। तेल मंत्रालय की पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के अनुसार, भारत को 1 मार्च को कच्चे तेल के दाम 102 डॉलर प्रति बैरल चुकाने पड़े। गत वर्ष नवंबर में तेल की कीमत 81.5 डॉलर प्रति बैरल थी। तेल के दामों में वृद्धि के कारण इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन को पेट्रोल एवं डीजल पर प्रति लीटर 5.7 रुपए का घाटा झेलना पड़ रहा है, जिसमें इनका 2.5 रुपए प्रति लीटर मार्जिन शामिल नहीं है। घाटा और मार्जिन दोनों को संतुलित स्तर पर लाने के लिए सरकारी तेल कंपनियों को 9-10 रुपए प्रति लीटर की मूल्य वृद्धि करनी ही होगी। भारत ने साढ़े तीन महीने से तेल के दाम बढ़ने नहीं दिए हैं, जबकि ग्लोबल मार्केट में तेल महंगा होता रहा है। देश अपनी कुल जरूरत का 85 प्रतिशत तेल व गैस बाहर से आयात करता है। तेल के दामों की रोजाना आधार पर समीक्षा की जाती है, लेकिन यूपी, पंजाब, उत्तराखंड सहित पांच राज्यों के चुनावों के मद्देनजर फिलहाल ऐसा नहीं किया जा रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध से सिर्फ पेट्रोल डीजल नहीं, बल्कि हर तरह की महंगाई बढ़ने का अंदेशा पैदा हो गया है। जैसा कि इस कॉलम में हम पहले भी जिक्र कर चुके हैं कि युद्ध की आंच लंबे समय तक दुनिया के हर हिस्से में महसूस की जाएगी।

नुकसान सिर्फ यूक्रेन का ही नहीं हो रहा है, बल्कि रूस की जनता भी इस नुकसान को लंबे समय तक झेलेगी। अमेरिका और यूरोपीय देशों के आर्थिक प्रतिबंधों का असर वहां अभी से दिखने लगा है। यहां तक कि रूस को अपना शेयर मार्केट पांच दिनों के लिए बंद करना पड़ा है। रूसी मुद्रा रूबल के दाम डॉलर के मुकाबले गिरते जा रहे हैं और देश में ब्याज दरें बढ़ गई हैं। रूसी व्यवसाइयों के ऑर्डर कैंसल होने लगे हैं और अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने रूस के साथ अपने व्यापार को बंद कर दिया है।

पढ़ाई की पद्धति रट्टू न बनकर समझ परक बनाया जाए

श्याम कुमार कोलारे

मनुष्य के जीवन में बदलाव एवं सफलता के शिखर तक पहुंचें में शिक्षा एक अहम भूमिका निभाती है। वगैर शिक्षा का मनुष्य अपनी बुद्धि का विकास नहीं कर पाता है। शिक्षा से अभिप्राय केवल पुस्तकीय ज्ञान से नहीं है वल्कि उसके जीवन सहज रूप के चलने एवं जीवन का लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सहायक हो ऐसा ज्ञान एवं सीख से है। ऐसा भी नहीं है की शिक्षा यानि आज के समय के माने जाने विषय आधारित ज्ञान से है वल्कि वह ज्ञान को मनुष्य को तार्किक, बुद्धिकौशल से परिपूर्ण एवं वह अपने साथ-साथ समाज को भी उन्नति की शिखर तक ले जाएँ। पुराने समय में जब शिक्षा का इतना प्रचार-प्रसार नहीं था उस समय भी मनुष्य बहुत बुद्धिमान एवं तार्किक ज्ञान से परिपूर्ण हुआ करता था। उस समय मनुष्य अपनी आवश्यकताओं के अनुसार कौशल सीखा करते थे' जीवनमूलक ज्ञान एवं सुनियोजित ज्ञान शिक्षा के रूप में एक-पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्वतः ही हस्तांतरित होते रहते थे ' उनके लिए उस समय विद्यालय या महाविद्यालय या ज्ञानपीठ का विस्तार नहीं हुआ था, और यदि कंही इस प्रकार की संरचनाये होती भी थी तो इस पर किसी वंशविशेष व ओहदा का अधिकार होता था ' शायद हमारे पूर्वजों ने शैक्षिक ज्ञान अवश्य नहीं पाया; परन्तु उन्होंने ज्ञान एवं बुद्धि कौशल से अपने जीवन को सरल एवं सहज बनाने के लिए बहुत से कौशल से अपना ज्ञान का सृजन कर रखा था ' उस ज्ञान को और उन्नत और विकासात्मक बदलाव के चलते शिक्षा के नए-नए प्रकार के बदलाव और शोध किये गए जिससे की शिक्षा को बहुआयामी बनाया गया। शिक्षा के बहुआयामी बदलाव की बदौलत आज हम इतने उन्नत हो गए है की आज भारत विश्वगुरु के रूप में शोभायमान है। समय के बदलाव के साथ-साथ शिक्षा पद्धति में नए-नए बदलाव की आवश्यकता होती गई एवं बहुत से बदलाव भी किये गए जिससे शिक्षा केवल डिग्री न बनकर जीवनयापन की एक महत्वपूर्ण कुंजी बन सके ' शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो जीवन की सभी आवश्यकताओं को भी पूरा करें और जीवन के अंतिम लक्ष्य तक पहुंचने में भी सहयोगी हो' स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि शिक्षा का उद्देश्य हो जो मनुष्य को मनुष्य बना दे ' मनुष्य को मनुष्य बनाने वाली शिक्षा में सारी चीजें समाहित है ' शिक्षा ऐसी हो- जो ज्ञान दे, कौशल दे, नैतिकता से परिपूर्ण हो, नागरिकता के संस्कार द्वारा प्रदाय ज्ञान से संस्कारों से परिपूर्ण हो ' भाषा ज्ञान-विज्ञान का ऐसा आधार हो जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक हस्तांतरित कराया जाए ' हम कुछ नया करते हैं तो उसे जोड़ते हुए नया शोध एवं श्रृजन के साथ यह ज्ञान बच्चों में डालने का कार्य करें ' वर्तमान शिक्षा पद्धति में एक विषय पर आधारित ज्ञान की परंपरा थी जैसे किसी विद्यार्थी ने कलासंकाय की पढ़ाई कर रहा है तो वह केवल उसी विषय में आगे पढ़ाई करेगा वह अन्य विषय जैसे विजान, गणित, कृषि विज्ञान आदि की पढ़ाई नहीं कर सकता ' क्या विधार्थी को केवल एक ही दिशा का ज्ञान हासिल करने के लिए बाध्य नहीं होना पड़ रहा है ? इस विसंगतियों को दूर करने एवं सर्वांगीण ज्ञान एवं कौशल के लिए प्रेरित करने के लिए नई शिक्षा नीति में बहुआयामी शिक्षा पद्धति कई नए रास्ते खुलेंगे ' अब प्रतिभावान छात्र अपनी रूचि के अनुसार अपने ज्ञान को संचित कर सकते हैं '

शिक्षा एकांकी नहीं होनी चाहिए; मतलब विद्यालय से बच्चों को संपूर्ण प्राप्त हो। विद्यार्थी उन सभी विषयों का ज्ञान ले सकता है जो वह चाहते हैं; हम ज्ञान के लिए छात्रों को बांध नहीं सकते 'पढ़ाई की पद्धति रट्टू न बनकर समझ परक बनाया जाए; जिससे छात्र अपने बुद्धि एवं कौशलों को सही वास्तविकता रूप में उपयोग कर सकें। उसके द्वारा सीखी गई शिक्षा उसके रोजगारपरक बना सके, अपने जीवन को सृजनात्मकता से पूर्ण बना सके।

इसका फायदा समाज, प्रदेश एवं देश को भी उन्नत बनाने में एवं एक नई दिशा प्रदान करने में होगा' विद्धार्थी अपना ज्ञान स्वाभाविक एवं वास्तविक रूप से सीखें' पढ़ने के बाद यदि वह छात्र रोजगार ना पा सके तो ऐसी शिक्षा का कोई मोल नहीं, ऐसी शिक्षा अर्थहीन है' इस प्रकार की शिक्षा पाकर विद्यार्थी कुंठा का शिकार होता है। शिक्षा को वास्तविकता से जोड़ने का प्रयास किया जाना नित्तांत आवश्यक है जिससे विद्धार्थी अपने आप को सावित कर सके कहीं अपने आप को ठगा महसूस न करे।

माँ का लाडला बिगड़ गया...!

सुनील

तोताराम जी आज मोगेंबो की तरह बहुत खुश हैं और खुशी में गीत गा रहे हैं, मन ही मन गुनगुना रहे हैं- "लो जी कर लो मौज, राजस्थान की फौज, बजट से मिल गई बूस्टर डोज, ऐसा बजट आए रोज रोज, बांटने पड़ेंगे अब तो रोज(गुलाब) ही रोज(हमेशा) ।" इस बजटवा बजटवा ने मौज ही मौज कर दी, सबकी झोली घोषणाओं से भर दी। मतलब घोषणा,घोषणा मात्र नहीं, धरातल पर भी उतरेगी। यह चुनावी घोषणा नहीं है, जिसका कुछ अता पता नहीं होता। चुनावी घोषणा तो चुनाव होने तक चलती है, बाद में उसे कोई नहीं पूछता, बाद में तो वह बेचारी बस छपी (प्रकाशित) होकर किसी कोने में पड़ी रहती है। लेकिन ये बजटवा तो गजब ढ़ा रहा है, तोताराम जी का इस पर दिल आ रहा है। तोताराम जी भी जनता के साथ अपने अधिकारों के प्रति आज सजग हैं, बजट के प्रति बढ़ गई तभी आज सबकी ललक है। तभी तो जनता को बजटवा बजटवा सुनकर खूब मजा आ रहा है। जब से बजटवा आया है तब से तोताराम जी भी उछल कूद कर रहे हैं, कह रहे हैं अब पुरानी पेंशनवा लागू हो जाएगी, बिजलिया सिजलिया में भी अनुदान मिलेगा, चिरंजीवी योजना वाह भई वाह, उसकी तो बात ही क्या है ? अजी ! चिरंजीवी योजना में बीमा राशि दस लाख हो गई। इतना फ्री इलाज मिलता है क्या आज की महंगाई में ? लेकिन तोताराम जी के पड़ौसी रामलुभाया जी तो पहले की तरह आज भी बजट को लेकर खुश नहीं है, विपक्ष की तरह लगातार टीका टिप्पणी कर रहे हैं कि घोषणाएं तो कर दी लेकिन इनको पूरा करने के लिए इतना बजट लायेंगे कहाँ से ? क्या नाथी के बाड़े से ? रामलुभाया जी कह रहे हैं "ये बजटवा तो घोषणाओं की चिट्ठी पत्री है, ये बजटवा नहीं है। बिगड़े सिस्टम में घोषणाएं कागजों में ही पूरी होती है और इससे तो लगता है कि सिर्फ और सिर्फ कागजों को ही सजाया जाएगा।"

वर्ल्ड कप से पहले दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी टीम इंडिया, इन पांच जगहों पर खेली जाएगी घरेलू टी-20 सीरीज

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जून में पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेली जाएगी। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन की समाप्ति के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम भारत दौरे पर आएगी और यहां यह सीरीज खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को सीरीज के लिए स्थानों की घोषणा कर दी।

इसके मुताबिक पांचों मैच कटक, विशाखापत्तनम, दिल्ली, राजकोट और चेन्नई में खेले जाएंगे। समाचार एजेंसी के मुताबिक, बीसीसीआई ने दो मार्च को हुई एपेक्स कॉउंसिल की बैठक में इस सीरीज की जानकारी देते हुए उसके लिए स्थानों के चयन पर फैसला किया। बीसीसीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सीरीज की शुरुआत 9 जून से होगी और पांचवां और आखिरी मुकाबला 19 जून को खेला जाएगा। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप से पहले होने वाली यह सीरीज दोनों टीमों के लिए अहम होगी। ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप से पहले दोनों टीमों के लिए यह अपनी तैयारियों को परखने का मौका होगा। रोहित शर्मा की अगुआई में भारतीय टीम न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ लगातार तीन टी-20 सीरीज क्लीन स्वीप कर आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हो गई है। पिछले साल टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार के बाद भारतीय टीम अब तक लगाकर 12 मैच जीत चुकी है।

सचिन ने बताया कब पहली बार सुना था कोहली का नाम

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली अपने 100वें टेस्ट शतक से एक कदम दूर हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला मोहाली में चार मार्च से खेला जाएगा। यह विराट के टेस्ट करियर का 100वां मैच होगा। मैच से दो दिन पहले बीसीसीआई ने अपने आधिकारिक वेबसाइट पर एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों ने कोहली के बारे में बात की। वीडियो में सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, दिलीप वेंगसरकर, ईशांत शर्मा, वीरेंद्र सहवाग और हरभजन सिंह हैं।

सचिन ने पहली बार कब सुना था कोहली का नाम?

कोहली को 100वें टेस्ट से पहले बधाई देते हुए महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने एक मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि कब विराट का नाम उन्हें सुनने को मिला था। तेंदुलकर ने कहा- मुझे याद है कि जब मैं टीम इंडिया में था और ये लड़के अंडर-19 वर्ल्ड कप खेल रहे थे तब इनके बारे में बातें होती थीं। उस दौरान सभी कह रहे थे कि एक लड़का है विराट कोहली। वह अच्छी बल्लेबाजी करता है। तेंदुलकर ने इसके आगे कहा- मैं और विराट बाद में साथ भी खेलें। हालांकि, ज्यादा दिन तक साथ में बल्लेबाजी नहीं की, लेकिन मुझे यह पता था कि वह सीखने के लिए हमेशा बेचैन रहता है। समय के साथ वे खेल को उच्च स्तर पर लेकर गए। उनकी फिटनेस बेहतरीन है। वे अगली पीढ़ी को प्रेरणा देते हैं। यह एक बड़ी उपलब्धि है। आशा है कि वे कई सालों तक टीम के लिए खेलें।

भारत-पाकिस्तान मैच छह मार्च को, रोहित शर्मा और विराट कोहली ने बढ़ाया टीम इंडिया का हौसला

नई दिल्ली। महिला वनडे विश्व कप की शुरुआत चार मार्च से होने जा रही है। भारतीय महिला टीम छह मार्च को पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके लिए टीम इंडिया ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। भारतीय पुरुष टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, विकेटकीपर ऋषभ पंत और ओपनर बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने सोशल मीडिया पर टीम इंडिया को वर्ल्ड कप के लिए शुभकामनाएं दी हैं।भारतीय पुरुष टीम को पिछले साल पहली बार पाकिस्तान के हाथों टी-20 विश्व कप में हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय महिला टीम के पास इसका बदला लेने का मौका होगा। रोहित और विराट ने फैन्स से इस हाईवोल्टेज मुकाबले के लिए स्टेडियम जाने और टीम इंडिया को चीयर करने की अपील की है। इस साल महिला वर्ल्ड कप न्यूजीलैंड में खेला जाएगा। चार मार्च को पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड का सामना वेस्टइंडीज से होगा।विराट ने इंस्टाग्राम पर लिखा- भारतीय महिला टीम को सपोर्ट करने का इससे बेहतर मौका नहीं मिल सकता, क्योंकि यह महिला विश्व कप है।

भारत की श्रीनिवेता, ईशा, रुचिता को महिलाओं की मीटर एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण पदक

काहिरा। भारत की श्री निवेता, ईशा सिंह और रुचिता विनेरकर ने आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में यहां महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने साल के पहले विश्व कप में स्वर्ण पदक के मुकाबले में 16 अंक बनाये और देश को दूसरा स्वर्ण और कुल तीसरा पदक दिलाया। भारत दो स्वर्ण और एक रजत पदक लेकर शीर्ष पर बना हुआ है। जर्मनी की एंड्रिया कैथरीना हेकनर, सैंड्रा रेइट्ज और कैरिना विमर ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में केवल छह अंक बनाये और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

ये तीनों भारतीय निशानेबाज क्वालीफिकेशन के दूसरे चरण में 574 अंक लेकर शीर्ष पर रहे थे। जर्मन तिकड़ी 571 अंक के साथ

दूसरे स्थान पर रही थी। इससे पहले दिन में ओलंपियन सौरभ चौधरी, गौरव राणा और केदारलिंग बालकृष्ण पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम प्रतियोगिता में कांस्य पदक से चूक गये। कांस्य पदक मैच में भारतीय पिस्टल टीम ने कुछ छह अंक बनाये और वह इटली के टोराची एलेसियो, मोना पाओलो और टेस्कोनी लुका के बाद चौथे स्थान पर रही। इटली की टीम ने कुल 16 अंक हासिल किये।

भारतीय क्रिकेट टीम को मिलेंगे नये फिजियो और ट्रेनर

चंडीगढ़। भारतीय क्रिकेट टीम में जल्द ही नये फिजियो और'स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच' होंगे, जो नितिन पटेल की अगुवाई वाली एक समर्पित खेल विज्ञान एवं खेल चिकित्सा (एसएसएसएम) टीम का हिस्सा होंगे।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अपनी एसएसएसएम टीम के लिये कई नियुक्तियां करने जा रहा है जिसमें भारतीय टीम (पुरुष और महिला) तथा जूनियर टीम (पुरुष और महिला) और 'ए' टीम के लिये फिजियो और ट्रेनर (स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच) भी शामिल है। इसके अलावा चोट से उबरने के समय के लिये भी विशेषज्ञ होंगे। इन 'रिहैब विशेषज्ञों' के लिये भी बीसीसीआई ने आवेदन मांगे हैं। फिजियो और ट्रेनर के दो वर्ग होंगे जिसमें पहला वर्ग सीनियर जबकि वर्ग दो जूनियर टीम के अलावा घरेलू क्रिकेट में काम करेगा।

भारतीय टीम और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के वर्तमान स्टाफ का इन पदों के लिये फिर से आवेदन करने की संभावना है। आवेदन करने की अंतिम तिथि नौ मार्च है।

पुजारा, रहाणे और पंड्या को बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध में 'डिमोट' किया गया

मोहाली। अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और पूर्व टेस्ट उप कप्तान अंजिक्य रहाणे को बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की ताजा केंद्रीय अनुबंध सूची में निचले ग्रेड में खिसका दिया गया जिसे बुधवार को बोर्ड शीर्ष परिषद द्वारा मंजूरी दी गयी थी।बीसीसीआई के ग्रेड के चार वर्ग हैं जिसमें 'ए प्लस' में खिलाड़ियों को सात करोड़ रूपये जबकि ए, बी और सी वर्गों में क्रमशः पांच करोड़ रूपये, तीन करोड़ रूपये और एक करोड़ रूपये दिये जाते हैं।

इसके अनुसार पुजारा और रहाणे को खराब फॉर्म के चलते अब ग्रेड बी में कर दिया गया है जो पहले ग्रेड ए में थे। इन दोनों खिलाड़ियों को श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से भी बाहर कर दिया गया। पीटीआई-ने 20 जनवरी को से सीधे ग्रेड सी में खिसका दिया गया।

विवादास्पद विकेटकीपर

खबर दी थी कि उन्हें निचले ग्रेड में खिसका दिया जायेगा। हालांकि सबसे बड़ी गिरावट चोटों से जूझ रहे आल राउंउर हार्दिक पंड्या के ग्रेड में रही जिन्हें सूची में ग्रेड ए बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा को भी टेस्ट टीम से बाहर कर दिया है, उन्हें ग्रेड बी से सी में खिसकाया गया है लेकिन इसके बावजूद उन्हें एक करोड़ रूपये मिलेंगे।

जोकोविच ने छोड़ा कोच मारियन वाज्दा का साथ, 15 साल तक सर्बियाई खिलाड़ी को ट्रेन किया

लंदन। हाल ही में विश्व नंबर एक का ताज गंवाने वाले सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अपने कोच मारियन वाज्दा का साथ छोड़ दिया है। उन्होंने बुधवार को इसकी जानकारी दी। 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने बताया कि पिछले साल एटीपी फाइनल्स के बाद ही उन्होंने वाज्दा से अलग होने का फैसला ले लिया था। जोकोविच वाज्दा के साथ तब से ट्रेनिंग कर रहे हैं, जब वह एक टीनएजर थे। जोकोविच वाज्दा के साथ 2006 में जुड़े थे। हालांकि, बीच में 2017 में एक साल के लिए दोनों अलग हुए थे। इसके बाद 2018 में दोनों फिर एक साथ काम करने लगे थे। जोकोविच ने कहा- हमने एक साथ कुछ अविश्वसनीय कार्य किए। मैं इस दोस्ती और उनके डेडिकेशन के लिए आभारी हूं। उन्होंने मेरा 15 साल तक साथ निभाया। जोकोविच और वाज्दा पिछले साल नवंबर में ट्यूरिन में हुए टूर फाइनल्स के बाद ही अलग हो गए थे। इसके बाद वह जोकोविच के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन के दौरान मेलबर्न में भी नहीं दिखे थे। हालांकि, तब जोकोविच को भी वैक्सीन और वीजा विवाद के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं खेलने दिया गया था। हाल ही में जोकोविच को रूस के डेनिल मेदवेदेव के हाथों नंबर-एक का ताज भी गंवाना पड़ा। वहीं, वाज्दा ने कहा- जोकोविच के साथ मेरा समय शानदार गुजरा।

ग्लिश फुटबॉल क्लब 'चेल्सी' को बेचेंगे रूस के रोमन अब्रामोविच

मॉस्को। फुटबॉल की दुनिया से एक बड़ी खबर सामने आई है। रूस के अरबपति बिजनेसमैन रोमन अब्रामोविच अपने दिग्गज इंग्लिश फुटबॉल क्लब चेल्सी को बेचने जा रहे हैं। रोमन ने इस क्लब को 2003 में खरीदा था। इसके बाद उन्होंने इस क्लब को 19 मेजर ट्रॉफी जीतने में मदद की थी। चेल्सी की टीम 2020/21 यूएफा चैंपियंस लीग की विजेता भी रही थी। यह यूरोप में खेला जाने वाला दुनिया का सबसे बड़ा फुटबॉल लीग है।

55 साल के अब्रामोविच ने कहा- मैं मीडिया में पिछले कुछ समय से चल रहे कयासों पर बात करना चाहता हूं। लोग चेल्सी को लेकर मेरे मालिकाना हक पर बात कर रहे थे। मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं कि मैंने हमेशा क्लब के फायदे को लेकर निर्णय लिया है। मौजूदा स्थिति में भी मैं यही करने जा रहा हूं।

अब्रामोविच ने कहा- मैंने चेल्सी क्लब को बेचने का फैसला लिया है। मुझे लगता है कि यही फिलहाल इस क्लब, फैन्स, यहां के वर्कर, क्लब के स्पॉन्सर और पार्टनर्स के लिए बेहतर है। क्लब को

बेचने में जल्दबाजी नहीं की जाएगी, बल्कि एक प्रोसेस के तहत किया जाएगा।

अब्रामोविच ने कहा- मैं कोई लोन चुकाने के लिए नहीं कहूंगा। चेल्सी को खरीदना मेरे लिए कभी बिजनेस जैसा या पैसे को लेकर नहीं था, बल्कि यह खेल और क्लब के लिए मेरा जुनून था। इसके अलावा, मैंने अपनी टीम को एक चैरिटेबल फाउंडेशन स्थापित करने का निर्देश दिया है।

अब्रामोविच ने कहा कि चैरिटेबल फाउंडेशन में होने वाली बिक्री से होने वाले लाभ से यूक्रेन के घायल और पीड़ितों की मदद की जाएगी। उस रकम से पीड़ितों को तत्काल पैसे उपलब्ध कराए जाएंगे और उनकी मदद की जाएगी। मेरे लिए इस क्लब को बेचना काफी मुश्किल फैसला था। चेल्सी को इस प्रकार छोड़ना मुझे काफी पीड़ा दे रहा है। अब्रामोविच ने कहा- मेरे लिए चेल्सी का हिस्सा बनना जीवन भर का सौभाग्य रहा है और मुझे अपनी सभी उपलब्धियों पर गर्व है। चेल्सी फुटबॉल क्लब और उसके समर्थक हमेशा मेरे दिल में रहेंगे। अब्रामोविच ने चेल्सी क्लब को तीन बिलियन पाउंड में बेचने का फैसला लिया है। स्विट्जरलैंड के अरबपति हांसजोर्ग विस और यूएसए के इन्वेस्टर टॉड बोएली ने इस क्लब को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। इसके अलापा पाकिस्तान के बिजनेसमैन जावेद अफरीदी ने भी चेल्सी को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है।

फुटबॉल क्लब की कीमत

अब्रामोविच ने चेल्सी को 2003 में करीब 1420 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि अब्रामोविच ने क्लब को बेचने के फैसले पर कहा कि यह कभी भी व्यापार या पैसे कमाने के बारे में नहीं, बल्कि खेल और क्लब के लिए शुद्ध जुनून के बारे में था।

क्लब की उपलब्धियां

अब्रामोविच द्वारा क्लब को खरीदने के बाद, चेल्सी ने कई उपलब्धियां अपने नाम की और अपनी अलग पहचान बनाई। उनके स्वामित्व में क्लब ने दो बार चैपियंस लीग, पांच बार प्रीमियर लीग और एफए कप, दो बार यूरोपा लीग और तीन बार लीग कप जीता। अगस्त 2021 में, चेल्सी फुटबॉल क्लब ने यूईएफए सुपर कप और फरवरी में पहली बार क्लब वर्ल्ड कप का खिताब जीता।

अब्रामोविच ने कुल 13 मैनेजर नियुक्त किए और क्लब ने करीब 20 करोड़ रुपये ट्रांसफर पर खर्च किए। अब्रामोविच के नेतृत्व में ही चेल्सी की महिला टीम को 2004 में मान्यता मिली और इसके बाद उसने चार बार महिला सुपर लीग, तीन बार महिला एफए कप और पिछले सीजन में चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंची।

पैरालंपिक पदक तालिका में शामिल नहीं होंगे रूसी-बेलारूसी खिलाड़ी, पैरालंपिक समिति के ध्वज तले ही हिस्सा ले पाएंगे

बीजिंग। बीजिंग में चार मार्च से होने वाले शीतकालीन पैरालंपिक खेलों में रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को तटस्थ खिलाड़ी के रूप में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस और बेलारूस को लेकर खेल समुदाय लामबंद हो रहा है। इसी कड़ी के तहत अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति ने कहा कि ये दोनों देश पैरालंपिक ध्वज के तहत खेलेंगे और इन्हें पदक तालिका में शामिल नहीं किया जाएगा। इससे पहले संस्थागत डोपिंग के कारण रूस के खिलाड़ियों को शीतकालीन ओलंपिक में रूसी ओलंपिक समिति के तहत भाग लेने की अनुमति मिली थी।

पैरालंपिक का उद्घाटन समारोह शुक्रवार को होगा जबकि प्रतियोगिताएं शनिवार से शुरू होंगी। आईपीसी के अध्यक्ष एंड्रयू पर्सन ने कहा कि ये उपाय समिति के संविधान के तहत यथासंभव सख्त कदम हैं। उन्होंने कहा कि पैरालंपिक आंदोलन रूस और बेलारूस की सरकारों के ओलंपिक संधि तोड़ने से काफी चिंतित है। आईपीसी संचालन बोर्ड रूस और बेलारूस के कदमों की कड़ी

भर्त्सना करता है। हम राजनीतिक रूप से तटस्थ हैं और सैद्धांतिक रूप से रहेंगे लेकिन सब इस बात से सहमत हैं कि इन चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

रूस-बेलारूस की सदस्यता पर भी खतरा

आईपीसी ने यह भी कहा है कि इस साल में हम इस वोट करेंगे कि क्या ओलंपिक संधि हर सदस्य देशों के लिए अनिवार्य होनी चाहिए और जो तोड़े उसे निलंबित कर देना चाहिए। अगर इस पर निर्णय हो जाता है कि रूस और बेलारूस की पैरालंपिक समिति की सदस्यता खत्म भी की जा सकती है।

रूस-बेलारूस के निशानेबाजों पर रोक

म्यूनिख। अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) ने यूक्रेन पर हमले के बाद रूस और बेलारूस के निशानेबाजों पर किसी भी स्पर्धा में भाग लेने पर रोक लगा दी है। यह निर्णय तब हुआ जब काहिरा में विश्व कप चल रहा है और जहां मंगलवार तक रूस के निशानेबाज हिस्सा ले रहे थे लेकिन इस निर्णय से अब वे आगे प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।आईएसएसएफ ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड की उस अपील के बाद निर्णय लिया है जिसमें आईओसी ने सभी रूस और बेलारूस के बहिष्कार की बात कही थी। रूस से 2022 में होने वाली यूरोपियन चैंपियनशिप तो पहले ही छीन ली गई है। फीफा और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के बाद टेनिस, साइक्लिंग, एथलेटिक्स फॉर्मूला वन कार रेस, बैडमिंटन और तमाम खेल संगठन रूस पर प्रतिबंध लगा चुके हैं।

रामकुमार बोले- डेविस कप में डेनमार्क के खिलाफ मिलेगा ग्रासकोर्ट का लाभ, प्रतिद्वंद्वी को हल्के में न लेने से चेताया

नई दिल्ली। देश के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन का मानना है कि दिल्ली जिमखाना क्लब के 'ग्रास कोर्ट' में भारत शुक्रवार से डेनमार्क के खिलाफ डेविस कप विश्व ग्रुप प्लेऑफ मुकाबले में थोड़ा फायदे में रहेगा लेकिन उन्होंने अपनी टीम को मेहमान टीम को हल्के से नहीं लेने के प्रति भी सचेत किया। डेनमार्क के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी होल्गर रून पिछले महीने इस मुकाबले से हट गए थे तथा उसका कोई भी अन्य खिलाड़ी एटीपी विश्व रैंकिंग में शीर्ष 200 में शामिल नहीं है।

एकल में भारतीयों में सर्वाधिक रैंकिंग वाले खिलाड़ी रामनाथन ने कहा, 'डेविस कप में रैंकिंग मायने नहीं रखती। उनकी टीम बहुत अच्छी है। (फ्रेडरिक) नीलसन इतने वर्षों से खेल रहे हैं। वह कप्तान हैं और भले ही अभी 700वीं रैंकिंग पर हैं लेकिन बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। मैंने उन्हें खेलते देखा है।' उन्होंने कहा, 'माइकल टॉरपेगार्ड पिछले कुछ वर्षों से खेल रहे हैं। उन्होंने अमेरिका में कॉलेज से इतर अच्छा प्रदर्शन किया है। वह मुश्किल खिलाड़ी हैं। हम अब भी फायदे की स्थिति में हैं लेकिन उन्हें कम करके नहीं आंक सकते। यह अच्छा मुकाबला होगा।' रामकुमार ने कहा, 'हम घास पर खेल रहे हैं। हम परिस्थितियों को अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम की तुलना में बेहतर जानते हैं। इससे हम थोड़ा फायदे की स्थिति में है। हम यहां पहले आ गये थे और कड़ा अभ्यास कर रहे हैं। कोर्ट अच्छा दिख रहा है और इसलिए मैं इस मुकाबले को लेकर उत्साहित हूं।'

16 साल बाद ग्रासकोर्ट पर मेजबानी

पांच दशक के बाद डेविस कप के मुकाबले दिल्ली जिमखाना क्लब में होंगे।

भारत जुलाई 2016 के बाद पहली बार ग्रास कोर्ट पर किसी मुकाबले की मेजबानी करेगा। उसने 2016 में चंडीगढ़ में कोरिया को 4-1 से हराया था, लेकिन फरवरी 2019 में इटली में उसी तरह के कोर्ट पर वह 1-3 से हार गया था।

रोहित की कप्तानी में पहली बार टेस्ट खेलने उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच शुक्रवार से दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत हो रही है। भारतीय टीम पहली बार रोहित शर्मा की अगुआई में टेस्ट मैच खेलने उतरेगी तो वहीं पूर्व कप्तान विराट कोहली अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने उतरेंगे। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम जीत के साथ अंक तालिका में अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहेगी तो वहीं शीर्ष पर काबिज श्रीलंकाई टीम अपने विजय अभियान को जारी रखते हुए आगे बढ़ना चाहेगी। हालांकि दोनों टीमों के रिकॉर्ड देखें तो भारत ने श्रीलंका के खिलाफ अब तक घरेलू सरजमीं पर 20 टेस्ट मैच खेले हैं और इसमें 12 बार जीत हासिल की है तो वहीं 9 बार मुकाबले ड्रॉ रहे हैं, यानी भारतीय टीम घर में श्रीलंका से एक भी टेस्ट मैच नहीं हारी है।

कब खेला जाएगा भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच?

भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच चार मार्च यानी शुक्रवार से खेला जाएगा।

कहां खेला जाएगा भारत और श्रीलंका के बीच पहला मैच?

भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच मोहाली के पीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा।

कितने बजे खेला जाएगा मैच?

इस मैच में टॉस भारतीय समयानुसार सुबह 9 बजे होगा और पहली गेंद साढ़े 9 बजे फेंकी जाएगी।

कौन से टीवी चैनल पर प्रसारित होंगे मुकाबले?

भारत और श्रीलंका सीरीज के प्रसारण अधिकार स्टार नेटवर्क के पास है, इसलिए पहले मैच का प्रसारण भी स्टार स्पोर्ट्स के चैनल पर किया जाएगा। आप स्टार स्पोर्ट्स के चैनल पर अलग-अलग भाषाओं में लाइव मैच देख सकते हैं।

भारत-

रोहित शर्मा (कप्तान), मयंक अग्रवाल, प्रियांक पांचाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, शुभमन गिल, ऋषभ पंत, केएस भरत, रविंद्र जडेजा, जयंत यादव, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, सौरभ कुमार, आर अश्विन।

काटसा कानून: रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम खरीदी, भारत पर पाबंदी या छूट का फैसला बाइडन करेंगे

वॉशिंगटन। रूस पर लगाई पाबंदियों के चलते भारत का एस-400 मिसाइल सुरक्षा प्रणाली का सौदा भी खटाई में पड़ सकता है।

अमेरिका के काटसा कानून के तहत भारत को पाबंदियों से छूट देने या उस पर इसे लागू करने का फैसला राष्ट्रपति जो बाइडन ही करेंगे। बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अमेरिकी सांसदों से यह बात कही है।

अमेरिका ने भी रूसी विमानों के लिए बंद किया अपना हवाई क्षेत्र, यूक्रेन पर हमले के खिलाफ रूस पर एक और बड़ा प्रतिबंध

वाशिंगटन। यूक्रेन पर आक्रमण के विरोध में पश्चिमी देशों की तरफ से रूस के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाइयां जारी हैं। यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और कनाडा के बाद अब अमेरिका ने भी रूस के विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। यूरोपीय संघ के साथ ही ब्रिटेन ने यूक्रेन युद्ध में रूस के पक्ष का समर्थन करने पर बेलारूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। बाइडन का बयान

'हमने इतिहास के सबक सीखा'

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने स्टेट आफ यूनियन संबोधन में कहा कि हमने अपने इतिहास से यह सबक सीखा है कि जब तानाशाहों को उनकी आक्रामकता की कीमत नहीं चुकानी पड़ती, तो वे और अराजकता फैलाते हैं। रोके नहीं जाने पर तानाशाह आगे बढ़ते रहते हैं और अमेरिका और दुनिया के लिए खतरे बढ़ते रहते हैं। बाइडन ने कहा कि हम जानते हैं कि पुतिन यूक्रेन पर हमला करने के लिए बहुत दिनों से बहना बना रहे थे। उन्हें लगता था कि नाटो और अमेरिका जवाबी कार्रवाई नहीं करेंगे। परंतु, बाइडन ने कहा, 'हम रूस को दर्द दे रहे हैं। पुतिन अब पहले से कहीं ज्यादा दुनिया से अलग-थलग हो गए हैं।' रूस ने अभी अमेरिकी विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र नहीं बंद किए हैं। परंतु, अब अमेरिका द्वारा पाबंदी लगाए जाने के बाद जवाबी कार्रवाई में रूस भी अमेरिकी विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद कर सकता है।

यूक्रेन पर हमले के विरोध में पिछले एक हफ्ते में यूरोपीय संघ के साथ ही कनाडा और अन्य कई देशों ने रूस के खिलाफ आर्थिक, वित्तीय और सैन्य पाबंदियां लगाई हैं। इससे रूसी मुद्रा रूबल की कीमत टूटी है और वह कमजोर हुआ है और आगे भी उसके कमजोर होने की संभावना जताई जा रही है। रूस के खिलाफ पाबंदियों को और सख्त करते हुए ब्रिटेन ने उसके पोत के लिए भी अपने बंदरगाहों के दरवाजे बंद कर दिए हैं। कनाडा एक दिन पहले ही रूसी जहाजों के अपने बंदरगाहों पर आने से रोक दिया है। ब्रिटेन ने बेलारूस के चार शीर्षस्थ सैन्य अधिकारियों और सैन्य कंपनियों के खिलाफ भी तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है।

यूक्रेन से बाहर निकलने के लिए पाकिस्तानी और तुर्की छात्रों ने भी ली तिरंगे की मदद, इस तरह पार की चौकियां

बुखारेस्ट। यूक्रेन और रूस के युद्ध हालत दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। जंग की शुरुआत से अब तक ढेरों जान-माल का नुकसान हो चुका है। रूस लगातार यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इन सबके बीच हजारों भारतीय नागरिक व छात्र यूक्रेन में फंसे हुए थे, जिन्हें वापस देश लाने के लिए भारत सरकार आपरेशन गंगा अभियान चला रही है।? इस अभियान के तहत हजारों छात्र और नागरिक अपने वतन और अपने परिवारजनों के पास वापिस पहुंचाए जा चुके हैं। यही नहीं देश के तिरंगे ने भी भारतीयों के अलावा पाकिस्तान और तुर्की के लोगों को भी यूक्रेन से निकलने में मदद की।? यूक्रेन से रोमानिया के बुखारेस्ट शहर पहुंचे भारतीय छात्रों ने समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए, बताया कि राष्ट्रीय तिरंगे ने उन्हें और साथ ही कुछ पाकिस्तानी और तुर्की छात्रों को युद्धग्रस्त देश में विभिन्न चौकियों को सुरक्षित रूप से पार करने में मदद की। क्षिणी यूक्रेन के ओडेसा से आए एक मेडिकल छात्र ने कहा, 'हमें यूक्रेन में कहा गया था कि भारतीय होने और भारतीय ध्वज ले जाने से हमें कोई समस्या नहीं होगी।'

यूक्रेन में कोई भारतीय नहीं है बंधक:रूसी सेना ने यूक्रेन पर लगाया भारतीयों को बंधक बनाने की आरोप, भारत ने किया इनकार

कीव। भारत सरकार ने आज उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया जिनमें बताया जा रहा था कि भारतीय छात्रों को यूक्रेन में बंधक बनाकर रखा गया है। सरकार ने भरोसा दिलाया कि वह यूक्रेन में भारतीयों से लगातार संपर्क में हैं, और ऐसा कोई वाकया नहीं हुआ है।

दरअसल, रूसी सरकार ने दावा किया यूक्रेनी सेना ने भारतीय छात्रों को बंधक बनाकर रखा है, जिसके बाद सरकार ने यह बयान जारी किया।

रूस की तरफ से यह दावा तब आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ देर पहले ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की थी और खार्किव के हालात पर चर्चा की थी।

विदेश मंत्रालय ने खारिज किया रूस का दावा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि हमें

किसी छात्र के बंधक बनाए जाने की कोई खबर नहीं मिली है। हमने यूक्रेनी अथॉरिटीज से सहयोग मांगा है कि वे भारतीय छात्रों को खार्किव और आसपास के इलाकों से लेकर यूक्रेन के पश्चिमी हिस्से तक ले जाने के लिए विशेष ट्रेनों का इंतजाम करेंगे।

रूसी सेना ने कहा था यूक्रेन के कब्जे में हैं भारतीय

रूसी सेना के प्रवक्ता ने बताया- हमारी जानकारी के मुताबिक, यूक्रेनी अथॉरिटीज ने खार्किव में बड़ी संख्या में भारतीय छात्रों को कैद कर रखा है। ये छात्र देश छोड़कर बेलगोरोड जाना चाहते हैं। रूसी सेना भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने के लिए हर संभव प्रयास करने को तैयार है। इतना ही नहीं, हम उन्हें रूसी जमीन से रूसी मिलिट्री विमान या भारतीय विमान के जरिए भारत पहुंचाने को भी तैयार हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की बोले: रूस के सिर्फ चार 'यार', ज्यादा दिन तक नहीं चलेगी तानाशाही

कीव। यूक्रेन और रूस के बीच आज जंग का आठवां दिन है। रूस आए दिन हमलावर होता जा रहा है। इन सब के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस पर बड़ा हमला बोला है।

उन्होंने कहा है कि रूस के सिर्फ चार दोस्त हैं। इनमें उत्तर कोरिया, इरिट्रिया, सीरिया और बेलारूस शामिल है। बता दें कि इन चारों देश ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस के खिलाफ आए प्रस्ताव में रूस के पक्ष में वोट किया था। इस प्रस्ताव में यूक्रेन से रूसी सेना को निकालने की बात कही गई थी।

हार कर ही जाएगा दुश्मन: राष्ट्रपति जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति भी झुकने के मूड में नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने जनता के नाम संदेश देते हुए कहा है कि सभी घुसपैठियों

को समझना चाहिए कि उनको यहां कुछ नहीं मिलेगा। रूस चाहे कितने भी सैनिक क्यों न लगा दें हम झुकने वाले नहीं हैं। हमारा दुश्मन हारकर ही जाएगा।

जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए प्रस्ताव का किया स्वागत

संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव पर वोटिंग होने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक ट्वीट करते हुए कहा कि मैं रूसी संघ के इस विश्वासघाती हमले को तुरंत रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए गए पस्ताव पर अभूतपूर्व बहुमत का स्वागत करता हूं। जेलेंस्की ने आगे कहा कि मैं उन सभी का अभारी हूं, जिन्होंने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया।

जेलेंस्की ने पुतिन को बताया युद्ध अपराधी

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति को युद्ध अपराधी बताया है। जेलेंस्की ने भाषण खत्म होने पर मुट्ठी बांधकर यूक्रेन को बचाने के अपने अटल संकल्प का संदेश दिया। इसके बाद ईयू के सभी सांसद करीब पांच मिनट तक ताली बजाकर साहस को बढ़ाया।

रूस की यूक्लियर हमले की धमकी और अंडरग्राउंड हुई पुतिन की फैमिली, लोकेशन को लेकर हुआ ये बड़ा दावा

मॉस्को। यूक्रेन पर रूस के हमले लगातार जारी हैं। पूरी दुनिया रूस के खिलाफ गोलबंद हो रही है। तरह-तरह के प्रतिबंध लगाकर रूस पर दवाब बनाने की कोशिश हो रही है। लेकिन व्लादिमीर पुतिन झुकने की बजाय और भी ज्यादा आक्रमक होते जा रहे हैं। नाटो के हमले के बाद पुतिन परमाणु हमले के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। पुतिन ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए रक्षा प्रमुखों को देश के परमाणु बलों को 'हाई अलर्ट' पर रखने का आदेश दिया। यानी रूसी सेना पुतिन के एक आदेश पर परमाणु हमले के लिए पूरी तरह तैयार है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन परमाणु युद्ध की तैयारी कर रहे हैं तो दूसरी ओर रूस के एक प्रोफेसर ने बहुत ही सनसनीखेज दावा किया है। पुतिन ने अपने परिवार को एक अंडरग्राउंड बंकर या फिर भूमिगत शहर में शिफ्ट किया है। प्रोफेसर के इस दावे से रूस के परमाणु युद्ध की धमकी को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। रूस के प्रोफेसर वेलरी सोल्वे ने कहा है कि पुतिन ने अपने परिवार को साइबेरिया के एक भूमिगत शहर में छुपा दिया है। वेलरी सोल्वे ने दावा किया है कि पुतिन के परिवार को जिस बंकर में छुपाया गया है वो परमाणु युद्ध होने की स्थिति में भी उन्हें सुरक्षित रखेगा।डेलीमेल की रिपोर्ट में प्रोफेसर सोल्वे ने इससे संबंधित एक वीडियो भी जारी किया है। उनके मुताबिक इस आलीशना और हाइटेक बंकर अल्ताई माउंटेंस में मौजूद हैं। ये बंकर न्यूक्लियर युद्ध की स्थिति में पूरी तरह सुरक्षित रहेगा।

खेरसॉन पर रूस का कब्जा, अब तक 10 लाख यूक्रेनी नागरिकों ने देश छोड़ा

जेनेवा। रूस-यूक्रेन युद्ध भीषण रूप लेता जा रहा है। रूसी सेनाओं ने आठवें दिन गुरुवार को यूक्रेन की राजधानी कीव को चारों तरफ से घेर लिया है। कीव के एक रेलवे स्टेशन पर सेना ने मिसाइल दागी है। यह हमला उस वक्त किया गया है, जब स्टेशन से लोग रेस्क्यू किए जा रहे थे। वहीं रूसी सेना ने खेरसॉन पर भी कब्जा जमा लिया है। हालांकि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के कार्यालय ने बयान दिया है कि लड़ाई अभी भी जारी है।

इसी बीच संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) ने कहा है कि पिछले सात दिन में यूक्रेन से 10 लाख लोग निकल चुके हैं। यूएनएचसीआर की प्रवक्ता शाबिया मंटू ने बताया कि यूक्रेन के पश्चिमी हिस्से वाले पड़ोसी देशों में लोगों का भागकर जाना जारी है और मंगलवार से दो लाख से अधिक लोगों ने यूक्रेन की सीमा पार की है। एक दिन पहले ही मंटू ने आगाह किया था कि यूक्रेन से लोगों का पलायन इतने बड़े पैमाने पर जारी है कि यह इस सदी का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट होगा। उन्होंने कहा कि यूएनएचसीआर ने पहले अनुमान लगाया था कि यूक्रेन से 40 लाख लोग पलायन कर सकते हैं, लेकिन एजेंसी अपने पूर्वानुमान का पुनर्मूल्यांकन करेगी।

ताजा आंकड़े दर्शाते हैं कि आधे से अधिक अर्थात करीब चार लाख 54 हजार लोग पोलैंड और एक लाख 16 हजार से अधिक हंगरी गए हैं और 79,300 ने मोल्दोवा में शरण ली है।

ताजा आंकड़े दर्शाते हैं कि आधे से अधिक अर्थात करीब चार लाख 54 हजार लोग पोलैंड और एक लाख 16 हजार से अधिक हंगरी गए हैं और 79,300 ने मोल्दोवा में शरण ली है। कुल 69,000 लोग अन्य यूरोपीय देश गए हैं तो 67,000 लोगों ने स्लोवाकिया का रुख किया है।

भारतीय को निकलने के लिए खारकीव में छह घंटे तक रोके हमले, रूस ने जंग रोककर दिया मौका

जेनेवा। रूस ने बीती रात यूक्रेन के खारकीव में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकलने के लिए छह घंटे तक हमले रोक दिए। भारत की पहल पर रूस ने यह बड़ी मोहलत दी। इसे भारतीय कूटनीति व पीएम नरेंद्र मोदी के प्रयासों की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

रूस-यूक्रेन जंग के बीच भारतीयों की युद्धस्तर पर निकासी जारी है। इस बीच रूस ने खारकीव में यह राहत प्रदान की। बीती रात पीएम नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बात की थी। उन्होंने यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए मदद मांगी थी। इसके बाद खारकीव में छह घंटे के लिए हमले रोक दिए गए। खबरों के मुताबिक ये हमले बुधवार रात 9.30 बजे से रोके गए थे।

नितिन गोखले ने ट्वीट कर कहा कि खारकीव में चौतरफा हमले करने से पहले रूस ने बीती रात सभी भारतीयों को वहां से निकलने के लिए छह घंटे जंग रोक दी।

इसी तरह आदित्य राज कौल ने ट्वीट किया, जरा सोचिए। जब से जंग शुरू हुई है, अमेरिका या चीन अपने नागरिकों को निकालने में कामयाब हो गया। भारतीय लोकतंत्र की ताकत तो देखिए।' महेश विक्रम हेगड़े ने लिखा 'जब चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश यूक्रेन में घुसने में घबरा रहे

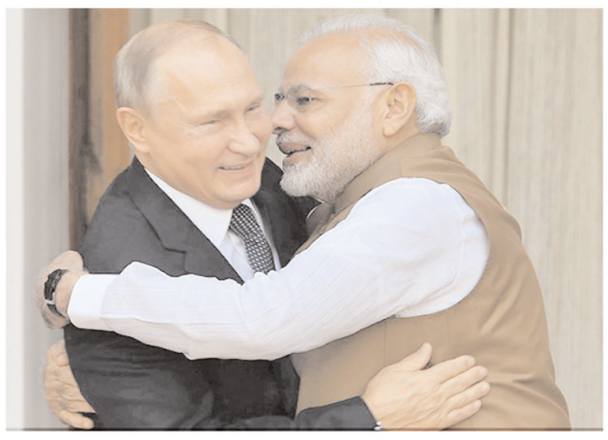

में असहाय हैं। भारत छह घंटे के लिए खारकीय में जंग रुकवाने में कामयाब हो गया। उम्मीद है बचे विद्यार्थी भी निकाल लिए जाएंगे।'आर्गनाइजर वीकली ने ट्वीट किया, 'भारत आज खारकीव में छह घंटे जंग रुकवाने हैं, भारत अपने 60 फीसदी नागरिकों को वहां से निकालने में कामयाब रहा। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने पुतिन से बात की और छह घंटे के लिए जंग रुकवाने में कामयाब हो गया। भारतीय लोकतंत्र की ताकत तो देखिए।' महेश विक्रम हेगड़े ने लिखा 'जब चीन, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश यूक्रेन में घुसने में घबरा रहे

चांद पर गिरेगा अंतरिक्ष का कचरा:सैकड़ों किलोमीटर तक उड़ेगी धूल, सतह पर इतना गहरा गड्ढा बनेगा कि समा जाएं ट्रक जैसे कई वाहन

लंदन। लंदनचांद पर एक बड़ी घटना शुक्रवार को घटित हो सकती है। दरअसल अंतरिक्ष में घूम रहा करीब 3 टन कचरा चांद की सतह पर गिर सकता है। यह कचरा पृथ्वी से छोड़े गए रॉकेट का है। चांद पर ऐसी घटना पहली बार हो रही है। यह कचरा करीब 9,300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चांद से टकराएगा। इससे चांद की सतह पर 33 फीट से 66 फीट तक गहरा गड्ढा हो सकता है। आकार में यह इतना बड़ा होगा जिसमें ट्रक जैसे बड़े कई वाहन समा जाएंगे। टक्कर के चलते चांद की धूल उड़ेगी जो देख पाते। ऐसे में सेटेलाइट तस्वीरों की मदद से टक्कर की पुष्टि करने में लंबा वक्त लग सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह रॉकेट चीन का है, जिसे करीब एक दशक पहले लॉन्च किया गया था। यह तबसे अंतरिक्ष में भटक रहा है। लेकिन चीन के अधिकारियों ने कहा कि यह रॉकेट हमारा नहीं है।

दूसरी ओर, वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के पास ही अंतरिक्ष में तैर रहे कचरे पर नजर रखना तुलनात्मक रूप से आसान होता है। गहरे अंतरिक्ष में भेजी जाने वाली चीजों के किसी दूसरी चीज से टकराने की संभावना कम होती है। शौकिया तौर पर खगोलीय जासूस की भूमिका निभा रहे कुछ अंतरिक्ष पर्यवेक्षक उन पर नजर रखते हैं। ऐसे ही पर्यवेक्षक बिल ग्रे ने जनवरी में इस रॉकेट के चांद से टकराने के मार्ग का पता लगाया था।

2500 किमी तक के कई क्रेटर, 58 मिशन के रॉकेट गिरे-चांद पर पहले से अनगिनत क्रेटर हैं, जिनकी लंबाई 2,500 किमी तक है। चांद पर कोई वास्तविक वातावरण नहीं है। इस कारण उल्का पिंडों और क्षुद्रग्रहों के टकराने की आशंका बनी रहती है। वातावरण और क्षरण न होने से क्रेटर बने रहते हैं। वैसे अब तक चंद्रमा के रहस्यों से पर्दा उठाने के लिए लॉन्च किए गए 58 मिशन रॉकेट भी नष्ट होकर चांद पर गिर चुके हैं।

कमला हैरिस ट्रोल: यूक्रेन-रूस जंग की कर दी साधारण व्याख्या, एक यूजर ने लिखा- 'आम अमेरिकी को वह 4 साल का मानती हैं'

वॉशिंगटन। रूस-यूक्रेन जंग की सतही व्याख्या करने पर भारतवंशी अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस सोशल मीडिया में ट्रोल हो गईं। हैरिस से एक रेडियो कार्यक्रम में कहा था कि वह इस जंग पर आम आदमी के शब्दों में क्या कहेंगी? जवाब में हैरिस ने ऐसी साधारण बातें कहीं, जिनसे वह सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आ गईं।

दुनियाभर के देश यूक्रेन पर रूस के हमले के खिलाफ नजर आ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस के खिलाफ 141 देशों ने निंदा प्रस्ताव पारित किया है, जबकि 35 देश मतदान में शामिल नहीं हुए। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में लाया गया निंदा प्रस्ताव विफल हो गया था। यह कहा था कमला हैरिस ने 'मॉर्निंग हसल' नामक एक अमेरिकी रेडियो कार्यक्रम में

अमेरिकी उपराष्ट्रपति से कहा गया था कि वह रूस-यूक्रेन संघर्ष को आम आदमी के शब्दों में समझाएं। इस पर हैरिस ने कहा था, 'यूक्रेन यूरोप में एक देश है। यह रूस नामक दूसरे देश के बगल में मौजूद है। रूस एक बड़ा देश है। रूस एक शक्तिशाली देश है। रूस ने यूक्रेन जैसे छोटे देश पर आक्रमण करने का फैसला किया। मूल रूप से यह गलत है और यह हर उस चीज के खिलाफ जाता है जिसके लिए हम खड़े हैं।' हैरिस के इस जवाब से कई लोगों ने असहमति जताई और उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया और उनके जवाब की आलोचना की। एक ट्विटर यूजर बेन डोमेनश्च ने कमेंट किया, 'लगता है उपराष्ट्रपति मानती हैं कि हर आम अमेरिकी की उम्र चार साल है।' वहीं फॉक्स न्यूज के होस्ट टैमी ब्रूस ने कहा, 'मुझे लगा कि यह पैरोडी है'। कई अन्य सोशल मीडिया यूजर्स भी हैरिस की आलोचना करते दिखे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस के खिलाफ 141 देशों ने निंदा प्रस्ताव पारित किया है, जबकि 35 देश मतदान में शामिल नहीं हुए।

चीन की चाल: विंटर ओलंपिक खत्म होने तक रूस से रुकवाया यूक्रेन पर हमला, रिपोर्ट में दावा

बीजिंग। आठ दिनों से जारी रूस-यूक्रेन जंग को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। रूस यूक्रेन पर काफी पहले हमला करने वाला था, लेकिन चीन ने उससे बीजिंग में आयोजित विंटर ओलंपिक के बाद आक्रमण के लिए राजी कर लिया था। रूस ने अपने करीबी मित्र चीन की सलाह मानी और गत गुरुवार को यूक्रेन पर धावा बोला। जंग में अब तक सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

चीन के वरिष्ठ अधिकारियों ने फरवरी के आरंभ में रूस के नेताओं से कहा था कि वे विंटर ओलंपिक के समाप्त होने से पूर्व हमला न करें। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। रिपोर्ट में बाइडन प्रशासन के अधिकारियों व एक पश्चिमी खुफिया रिपोर्ट के हवाले से यह बात कही गई है। रिपोर्ट के अनुसार चीन के शीर्ष अधिकारियों को यूक्रेन पर हमले की रूस की योजना की भनक थी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा गत गुरुवार को एलान-ए-जंग के काफी पहले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भी मित्र देश की इस योजना की सूचना दे दी गई थी। उधर वाशिंगटन स्थित चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंग्यू ने इस रिपोर्ट का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि यह बिना किसी आधार

की अटकलबाजी है। जबकि अमेरिकी विदेश विभाग व खुफिया एजेंसी सीआईए ने इस रिपोर्ट पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। पश्चिमी नेताओं द्वारा रूस को बार-बार चेतावनी देने के बावजूद रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर चढ़ाई कर दी। विंटर ओलंपिक 2022 खत्म होने के कुछ ही दिन बाद पुतिन यूक्रेन पर तीन दिशाओं उत्तर, पूर्व व दक्षिण से धावा बोला। 4 फरवरी को पुतिन व जिनपिंग की विंटर ओलंपिक के शुभारंभ के मौके पर मुलाकात हुई थी। इसमें दोनों नेताओं ने पश्चिमी देशों के खिलाफ और सहयोग बढ़ाने पर सहमति दी थी। अमेरिका समेत कई देशों ने विंटर ओलंपिक का राजनयिक बहिष्कार किया था। चीन की राजधानी बीजिंग में विंटर ओलंपिक 4 से 20 फरवरी 2022 तक आयोजित किए गए थे। अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वॉशिंगटन ने यूक्रेन के आसपास रूसी सेना की तैनाती की वरिष्ठ चीनी अधिकारियों को खुफिया जानकारी दी थी। उन्हें उम्मीद थी कि चीन रूस को सेना का जमावड़ा नहीं करने व जंग से रोकने के लिए राजी करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
211019 से प्रकाशित
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506